कर्नाटक सरकार
अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

10 वीं कक्षा

तृतीय भाषा हिंदी

प्रश्नोत्तर मालिका

“एकता ही जान है, हिंदी देश की शान है”

संसादक शिक्षक

श्री. रवि चौहान D.Ed B.A B.Ed M.A
अल्पसंख्यक मोरार्जी देसाई आवासीय विद्यालय
कोड्ला, तहसील: सेड़म जिला: कलबुरगी
मोबाईल सं: 99015 05583

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	पाठ का नाम	विधा	रचनाकार
1	मातृभूमि	कविता	भगवतीचरण वर्मा
2	कश्मीरी सेब	कहानी	मुंशी प्रेमचंद
3	गिल्लु	रेखाचित्र	महादेवी वर्मा
4	अभिनव मनुष्य	कविता	रामधारीसिंह 'दिनकर'
5	मेरा बचपन	आत्मकथा	ए.पी. जे. अब्दुल कलाम
6	बसंत की सच्चाई	एकांकी	विष्णु प्रभाकर
7	तुलसी के दोहे	दोहा	तुलसीदास
8	इंटरनेट क्रांति	निबंध	----------
9	ईमानदारों के सम्मेलन में	व्यंग्य रचना	हरीशंकर परसाई
10	दुनीया में पहला मकान	लेख	डा. विजया गुप्ता
11	समय की पहचान	कविता	सियारामशरण गुप्त
12	रोबोट	कहानी	डा. प्रदीप मुखोपाध्याय आलोक
13	महिला की साहसगाथा	व्यक्ति परिचय	--------
14	सूर-श्याम	पद	सुरदास
15	कर्नाटक संपदा	निबंध	--------
16	बाल-शक्ति	लघु नाटिका	जगतराम आर्य
17	कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती	कविता	सोहनलाल द्विवेदी
	पूरक वाचन		
1	शनि : सबसे सुंदर ग्रह	--------	गुणाकर मुले
2	सत्य की महीमा	--------	संकलित
3	नागरिक के कर्तव्य	--------	--------
	व्यकरण विभाग		
1	विलोम शब्द		
2	वचन		
3	लिंग		
4	प्रेरणार्थक क्रिया रूप		
5	कारक		
6	विराम चिह्न		
7	संधि		
8	समास		
9	निबंध		
10	पत्रलेखन		

पाठ-1 मातृभूमि

–भगवतीचरण वर्मा

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1.कवि किसे प्रणाम कर रहे है?

कवि मातृभूमि को प्रणाम कर रहे है।

2. भारत माँ के हाथों में क्या है ?

भारत माँ एक हाथ में न्याय पताका और दुसरे हाथ में ज्ञान-दीप है।

3. आज माँ के साथ कौन है ?

आज माँ के साथ भारत के कोटि-कोटि लोग है।

4. सभी ओर क्या गूँज उठा है ?

सभी ओर जय हिंद का नाद गूँज उठा है।

5. मातृभूमि के खेत कैसे है?

मातृभूमि के खेत हरे-भरे है।

6. भारत भूमि के अंदर क्या-क्या भरा हुआ है ?

भारत भूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन भरा हुआ है।

7. सुख-संपत्ति, धन-धाम को माँ कैसे बाट रही है ?

सुख-संपत्ति, धन-धाम को माँ मुक्त हस्त से बाट रही है।

8. जग का रूप को बदलने के लिए कवि किससे निवेदन कर रहे हैं ?

जग का रूप को बदलने के लिए कवि भारत माता से निवेदन कर रहे हैं।

9.'जय-हिंद' का नाद कहाँ-कहाँ पर गूँजना चाहिए ?

'जय-हिंद' का नाद सकल नगर और ग्राम में गूँजना चाहिए।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1.भारत माँ के प्रकृति-सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

*भारत माता के खेत हरे-भरे सुहाने हैं।

*भारत के वन-उपवन फल-फूलों से भरे हुए हैं।

*भारत भूमि के अंदर खनिजो का व्यापक धन भरा हुआ है।

*भारत माता सुख-संपति , धन-धाम को मुक्त हस्त से बाँट रही है।

2.मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ? स्पष्ट कीजिए।

*भारत माता अमरो की जननी हैं।

*भारत माता के हृदय में गांधी, बुद्ध और राम जैसे महान पुरुष सोये हुए हैं।

*भारत माँ के एक हाथ में न्याय पताका , दुसरे हाथ में ज्ञान दीप हैं।

*इस प्रकार मातृभूमि का स्वरूप सुशोभित है।

III. अनुरूपता :

1. वसीयत : नाटक :: चित्रलेखा : उपन्यास

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

2. शत-शत : द्विरुक्ति :: हरे-भरे : युग्म
3. बायें हाथ में : न्याय पताका :: दाहिने हाथ में :ज्ञान दीप
4. हस्त : हाथ :: पताका : झंडा

IV. दोनों खंडों को जोड़कर लिखिए:

1. तेरे उर में शायित — ऊ. गांधी, बुद्ध और राम
2. फल – फूलों से युत — अ. वन – उपवन
3. एक हाथ में — उ. न्याय पताका
4. कोटि-कोटि हम — आ. आज साथ में
5. मातृ-भू — ई. शत-शत बार प्रणाम

V. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :

1. कभी मातृभूमि को शत-शत बार प्रणाम कर रहे हैं।
2. भारत मां के उर मैं गांधी बुद्ध और राम शायित हैं।
3. वन, उपवन फल- फूलों से युक्त है।
4.मुक्त हस्त से मातृभूमि सुख – संपत्ति बांट रही है।
5. सभी ओर जय हिंद का नाद गूंज उठे।

VI. भावार्थ लिखिए:

एक हाथ में न्याय पताका
ज्ञान दीप दूसरे हाथ में
जग का रूप बदल दे हे मां
कोटिकोटि हम- आज साथ में
गूंज उठे जय हिंद नाद से
सकल नगर और ग्राम
मातृ-भू शत-शत बार प्रणाम

कवि भारत माता के स्वरूप के बारे में इस प्रकार का रहे हैं भारत माता की एक हाथ में न्याय का झंडा है और दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप है । इन दोनों की सहायता से जग का रूप बदल दे मां, भारत के करोड़ों लोग तेरे साथ है। भारत के हर एक नगर और गांव में सभी ओर जय हिंद का स्वर गूंजना चाहिए । भारत माता तुझे सौ सौ बार प्रणाम ।

VII. पद्य भाग को पूर्ण कीजिए:

हरे भरे हैं खेत सुहाने
फल फूलों से युत वन उपवन
तेरे अंदर भरा हुआ है
खनिजों का कितना व्यापक धन
मुक्त हस्त तू बांट रही है
सुख संपत्ति धन धाम
मातृभू शतशत बार- प्रणाम

****

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

पाठ-2 कश्मीरी सेब

-प्रेमचंद

I.एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. लेखक चीज़ें खरीदने कहां गए थे?

लेखक चीज़ें खरीदने चौक गए थे ।

2. लेखक को क्या नज़र आया?

लेखक को रंगदार गुलाबी सेब सजे हुए नजर आए ।

3. लेखक का जी क्यों ललचा उठा?

लेखक का जी रंगदार सेब देखकर ललचा उठा ।

4. टोमाटो किसका आवश्यक अंग बन गया है?

टोमाटो भोजन का आवश्यक अंग बन गया है ।

5. स्वाद में सेब किस से बढ़कर नहीं है?

स्वाद में सेब आम से बढ़कर नहीं है ।

6. रोज़ एक सेब खाने से किन की ज़रूरत नहीं होगी?

रोज़ एक सेब खाने से डॉक्टरों की जरूरत नहीं होगी ।

II. दो तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. आजकल शिक्षित समाज में किसके बारे में विचार किया जाता है?

आजकल शिक्षित समाज में प्रोटीन और विटामिन के बारे में किया जाता है ।

2. दुकानदार ने लेखक से क्या कहा?

दुकानदार ने कहा बाबूजी बड़े मजेदार से बाय हैं खास कश्मीर के आप ले जाएँ खाकर तबियत खुश हो जाएगी ।

3. दुकानदार ने अपने नौकर से क्या कहा?

दुकानदार ने अपने नौकर से कहा सुनो आध सेर कश्मीरी सेब निकाल ला । चुनकर लाना ।

4. सेब की हालत के बारे में लिखिए।

* पहला सेब सड़ा हुआ था ।

*दूसरा सेब आधा सड़ा हुआ था ।

*तीसरा से सेब यह सड़ा तो न था मगर एक तरफ दबकर बिल्कुल पिचक गया था ।

*चौथा सेब यों तो बेदाग था मगर उसमें एक काला सुरख जैसे अक्सर बेरो में होता है ।

III. जोड़कर लिखिए:

अ	ब
1. सेब को रुमाल में बांधकर	मुझे दे दिया ।
2. फल खाने का समय तो	प्रात:काल है ।
3. एक से भी खाने	लायक नहीं ।
4. व्यापारियों की साख	बनी हुई थी ।

IV. विलोम शब्द लिखिए:

1. शाम	x	सुबह
2. खरीदना	x	बेचना

3. बहुत x कम
4. अच्छा x बुरा
5. शिक्षित x अशिक्षित
6. आवश्यक x अनावश्यक
7. गरीब x अमीर
8. रात x दिन
9. संदेह x निसंदेह
10. साफ x गंदा
11. बेईमान x इमानदार
12. विश्वास x विश्वास
13. सहयोग x असहयोग
14. हानि x लाभ
15. पास x दूर
16. ग़म x खुशी

V. अनुरूपता:

1. केला : पीला रंग :: सेब : लाल रंग
2. सेब : फल :: गाजर : सब्जी
3. नागपुर : संतरा :: कश्मीर : सेब
4. कपड़ा : नापना :: टोमाटो : तौलना

VI. अन्य वचन लिखिए:

1. चीजें - चीज
2. रास्ता - रास्ते
3. फल - फल
4. घर - घर
5. रुपए - रुपया
6. आँखें – आँख
7. कर्मचारी - कर्मचारीवर्ग
8. व्यापारी - व्यापारीवर्ग
9. रेवड़ी – रेवड़ियाँ
10. दुकान - दुकानें

VII. कन्नड़ अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

1.गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज थी।
ಗಜ್ಜರಿಯೂ(ಕ್ಯಾರೆಟ್) ಮೊದಲು ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ವಸ್ತುವಾಗಿತ್ತು.

2. दुकानदार ने कहा बड़े मजेदार सेबआये हैं।
ಅಂಗಡಿಯವನು ಹೇಳಿದ ತುಂಬಾ ರುಚಿಕರವಾದ ಸೇಬು ಬಂದಿವೆ.

3. एक सेबभी खाने लायक नहीं।
ಒಂದು ಸೇಬು ಹಣ್ಣು ಕೂಡ ತಿನ್ನಲು ಯೋಗ್ಯವಾಗಿಲ್ಲ.

4. दुकानदार ने मुझसे क्षमा मांगी।
ಅಂಗಡಿಯವನು ನನಗೆ ಕ್ಷಮೆ ಕೇಳಿದ.

****

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

पाठ-3 गिल्लु

-महादेवी वर्मा

महादेवी वर्मा

I.एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. लेखिका ने कौए को क्यों विचित्र पक्षी कहा है?

लेखिका ने कौए को इसलिए विचित्र पक्षी कहा है वे एक साथ सामदरित, अनादरित, अति सम्मानित, अति अवमानित होते हैं।

2. गिलहरी का बच्चा कहां पड़ा था?

गिलहरी का बच्चा गमले और दीवार की संधि में चिपका पड़ा था।

3. लेखिका ने गिल्लू के घावों पर क्या लगाया?

लेखिका ने गिल्लू के घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया।

4. वर्मा जी गिलहरी को किस नाम से बुलाती थी?

वर्मा जी गिलहरी को गिल्लू के नाम से बुलाती थी।

5.गिलहरी का लघु घातकिसके भीतर बंद रहता था?

गिलहरी का लघु घात लिफाफे के भीतर बंद रहता था।

6. गिलहरी का प्रिय खाध्य क्या था?

गिलहरी का प्रिय खाध्य काजू था।

7. लेखिका को किस कारण से अस्पताल में रहना पड़ा?

लेखिका को दुर्घटना के कारण से अस्पताल में रहना पड़ा।

8. गिलहरी गर्मी के दिनों में कहाँ लेट जाता था ?

गिलहरी गर्मी के दिनों में सुराही पर लेट जाता था।

9.गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यतया कितनी होती है?

गिलहरियों की जीवनावधि सामान्यतया 2 वर्ष होती है।

10.गिलहरी की समाधि कहाँ बनायी गयी है?

गिलहरी की समाधि सोनजुही की लता के नीचे बनायी गयी है।

II. दो तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. लेखिका को गिलहरी किस स्थिति में दिखायी पड़ी?

*गिलहरी गमले और दीवार की संधि में छिपी पड़ी थी।

*काकद्वय की चोचो के घाव उस लघु प्राण के लिए बहुत थे अतः वह निश्चेष्ट सा गमले से चिपका पड़ा था।

2. लेखिका ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाये ?

*गिल्लू को कौए की चोंच से घाव हुआ था ।

*वह उसे हौले से उठाकर अपने कमरे में लाई फिर रुई से रक्त पोछकर घावों पर पेंसिलिन का मरहम लगाया।

* कई घंटे के उपचार के उपरांत उसके मुँह में एक बूंद पानी टपकाया गया।

*इस प्रकार लेखिका ने गिल्लू के प्राण बचाये।

3. लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लु क्या करता था ?

* लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के गिल्लु उनके पैर तक आकर सर्र से पदे पर चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता था।

*उसका यह दौडने का क्रम तब तक चलता, जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए न उठती।

4. वर्मा जी को चौकाने के लिए गिल्लू कहां कहां छिप जाता था?

वर्माजी को चौकाने के लिए गिल्लूकभी फूलदान के फूलों में छिप जाता कभी परदे की चुन्नट में और सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था।

5. गिल्लु ने लेखिका की गैरहाज़री में दिन कैसे बिताये? स्पष्ट कीजिए।

*लेखिका गैरहाजरी में गिल्लू अपना प्रिय खाद्य काजू बहुत कम खाता था।

*लेखिका के कमरे का दरवाजा खुलते ही वह अपने झूले उतरकर दौडता फिर किसी दूसरे को देखकर उदास होकर वापस अपने घोंसले में जा बैटता था।

III. पाँच – छ: वक्यों में उत्तर लिखिए:

1.गिल्लु के कार्य-कलाप के बारे में लिखिए।

*लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर्र से पदे पर चढ़ जाता था।

*फूलदान के फूलों में, कभी परदे की चुन्नट में, और कभी सोनजुही की पत्तियों में छिप जाता था।

*छिपकर महादेवी वर्मा को चौकाता था।

* दिन भर बाहरी गिलहररियों के साथ उछलता-कूदता और ठीक चार बजे घर आकर अपने झूले में झूलने लगता था।

*लेखिका की थाली के पास बैठकर बड़ी सफाई से खाना खाता था।

*लेखिका खाने बैठती तब लिफ़ाफे के भीतर बैठकर उनका कार्य-कलाप देखा करता था।

2. लेखिका ने गिलहरी को क्या-क्या सिखाया ?

लेखिका ने गिलहरी को बड़ी कठिनाई से थाली के पास बैठना सिखाया, जहां बैठकर वह वर्मा जी के थाली में से एक-एक चावलउठाकर बड़ी सफाई से खाता था।

3.गिल्लु के अंतिम दुःखद दिनों के बारे में लिखिए।

*गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नही होती, अतः गिल्लू की जीवन-यात्रा का अंत आ ही गया।

*दिन भर उसने न कुछ खाया, न वह बाहर गया।

*पंजे इतने ठंडे हो रहे थे, कि लेखिका हीटर जलाकर उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया।

*परन्तु प्रभात की प्रथम किरण के साथ ही वह चिर निद्रा में सो गया।

*सोनजुही की लता के नीचे गिल्लू की समाधी बनायी गयी।

4. गिल्लू के प्रति महादेवी वर्मा जी का ममता का वर्णन कीजिए।

*जब गिल्लू घायल हुआ था तब वर्मा जी ने घाव को रुई से रक्त पोंछकर पेंसिलिन का मरहम लगाया।

*उसे रहने के लिए एक झूला बनाकर खिड़की से लटका दिया।

*उसे प्यार से गिल्लू के नाम से पुकारा। गिल्लू को खाने के लिए काजू बिस्कुट दिया करती थी।

*थाली में से एकएक- चावल उठाकरसफाई से खाने को सिखाया। अन्य गिलहरियों के साथ खेलने के लिए उसे एक व्यवस्था की।

*गिल्लू के अंतिम दिनों में उसे बचाने की पूरी कोशिश की हीटर जलाकर उसे उष्णता देने का प्रयास किया।

*उसकी मृत्यु के बाद सोनजुही लता के नीचे समाधि बनाई गई।

*इस प्रकार महादेवी वर्मा जी ने गिल्लू के प्रति अपनी ममता को दर्शाया है।

IV. रिक्तस्थान भरिए :

1.यह काकभुशुण्डि विचित्र पक्षी है।

2. इसी बीच मुझे मोटर दुर्घटना में आहत होकर कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ा।

3. गिल्लू के जीवन का प्रथम वसंत आया।

4. मेरे पास बहुत पशु-पक्षी हैं।

5. गिल्लू की जीवन यात्रा का अंत आ ही गया।

V. अनुरूपता:

1. 1907 : महादेवी वर्मा जी का जन्म :: 1987 : महादेवी वर्मा जी का निधन
2. गुलाब : पौधा :: सोनजुही : लता
3. हंस : सफेद :: कौआ : काला
4. बिल्ली : म्याऊं म्याऊं :: गिल्लू : चिक - चिक
5. कोयल : मधुर स्वर :: कौआ : कर्कश स्वर

VI. कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए:

1. कई घंटे के उपचार के उपरांत उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका।

ಹಲವು ಗಂಟೆಗಳ ಉಪಚಾರದ ನಂತರ ಅದರ ಬಾಯಿಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹನಿ ನೀರು ಹಾಕಲಾಯಿತು.

2. बड़ी कठिनाई से मैंने उसे थाली के पास बैठना सिखाया।

ತುಂಬಾ ಕಷ್ಟದಿಂದ ನಾನು ಅದಕ್ಕೆ ತಟ್ಟೆಯ ಅತ್ತಿರ ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳುವುದನ್ನು ಕಲಿಸಿದೆ.

3. गिल्लू मेरे पास रखी सुराही पर लेट जाता था।

ಗಿಲ್ಲು ನನ್ನ ಹತ್ತಿರ ಇಟ್ಟಿದ್ದ ಹೂಜಿಯ ಮೇಲೆ ಮಲಗಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಿತ್ತು.

4. दिनभर गिल्लू ने ना कुछ खाया, न वह बाहर गया।

ದಿನಪೂರ್ತಿ ಅಳಿಲು ಏನು ತಿನ್ನಲಿಲ್ಲ ಹೊರಗಡೆಯೂ ಹೋಗಲಿಲ್ಲ.

VII. दिये गयेसही स्त्रीलिंग शब्दों को चुनकर संबंधित पुल्लिंग शब्द के आगे लिखिए:

(मयूरी, लेखिका, श्रीमती, कुतिया)

पुल्लिंग स्त्रीलिंग

1. लेखक- लेखिका
2. श्रीमान- श्रीमती
3. मयूर -मयूरी
4. कुत्ता -कुतिया

VIII. खाली जगह भरिए:

एकवचन	बहुवचन
1.उंगली	उंगलियाँ
2. आँखें	आँखें
3. पूँछ	पूँछें
4. खिड़की	खिड़कियाँ
5. फूल	फूल
6. पंजा	पंजे
7. लिफाफा	लिफाफा
8. कौआ	कौए
9. गमला	गमले

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

10. घोंसला	घोंसले	

IX. उदाहरणानुसार प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए:

1.चिपकना	चिपकाना	चिपकवाना
लिखना	लिखाना	लिखवाना
मिलना	मिलाना	मिलाना
चलना	चलाना	चलाना
2. देखना	दिखाना	दिखावाना
भेजना	भिजाना	भिजवाना
खेलना	खेलाना	खेलवाना
देना	दिलाना	दिलवाना
3. सोना	सुलाना	सुलवाना
रोना	रुलाना	रुलवाना
धोना	धुलना	धुलवाना
खोलना	खोलाना	खोलवाना
4.पीना	पिलाना	पीलवाना
सीना	सिलाना	सिलवाना
सीखना	सिखाना	सिखवाना
5. मांगना	मंगाना	मंगवाना
बांटना	बटाना	बनवाना
मांझना	मंझाना	मंझवाना

X. विलोम शब्द लिखिए :

निकट	x	दूर	उत्तीर्ण	x	अनुत्तीर्ण
1. दिन	x	रात	1. उपयोग	x	अनुपयोग
2. भीतर	x	बाहर	2. उपस्थित	x	अनुपस्थित
3. चढ़ना	x	उतरना	3.उचित	x	अनुचित
विश्वास	x	अविश्वास	ईमान	x	बेईमान
1. प्रिय	x	अप्रिय	1. होश	x	बेहोश
2. संतोष	x	असंतोष	2. खबर	x	बेखबर
3. स्वस्थ	x	अस्वस्थ	3. चैन	x	बेचैन
बलवान	x	बलहीन	धन	x	निर्धन
1.बुद्धिमान	x	बुद्धिहीन	1.जन	x	निर्जन
2.शक्तिमान	x	शक्तिहीन	2.बल	x	निर्बल
3.दयावान	x	दयाहीन	3.गुण	x	निर्गुण

****

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

पाठ-4 अभिनव मनुष्य

-रामधारी सिंह दिनकर

I.एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

1.आज की दुनिया कैसी है?

आज की दुनिया विचित्र और नवीन है ।

2.मानव के हुक्म पर क्या चढ़ता और उतरता है?

मानव के हुक्म पर पवन का ताप चढ़ता-उतरता है ।

3.परमाणु किसे देखकर काँपते है?

परमाणु मानव के हाथों को देखकर काँपते है ।

4. अभिनव मनुष्य कविता के कवि का नाम लिखिए ।

अभिनव मनुष्य कविता के कवि रामधारी सिंह दिनकर है ।

5.आधुनिक पुरूष ने किस पर विजय पायी है?

आधुनिक मानव ने प्रकृति के हर एक तत्व पर विजय पायी है ।

6.नर किन-किनको एक समान लाघँ सकता है?

नर नदी, पहाड़ सागर को एक समान लाँघ सकता है ।

7.आज मनुज का यान कहां जा रहा है ?

आज मनुष्य का यान गगन में जा रहा है ।

II. दो-तीन वक्यों में उत्तर लिखिए :

1. 'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' - इस पंक्ति का आशय समझाइए ।

आधुनिक मानव की भौतिक साधना का विवरण कविता के आधार पर दीजिए ।

*आधुनिक मानव ने प्रकृति के हर एक तत्व को अपने नियंत्रण में कर लिया है । उसने जल, विद्युत, भाप, वायु पर अपना नियंत्रण बना लिया है ।

*वह नदी, समुद्र, सागर को एक समान लाँघ सकता है ।

*उसका यान आकाश में जा रहा है ।

*वह परमाणु प्रयोग भी कर रहा है ।

*उसकी बौद्धिक क्षमता असीमित है ।

*आज मानव ने प्रकृति के हर एक तत्व को विकृति कर दिया है ।

2.दिनकर जी के अनुसार मानव का सही परिचय क्य है ?

*कवि दिनकर जी कहते हैं – आज मनुष्य ने प्रकृति पर विजय प्राप्त कर ली है ।

*मानव को व्योम से पाताल तक सब कुछ ज्ञात है ।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

*परंतु स्वयं को नहीं पहचाना, अपने भाईचारे को नही समझा।

*मानव की सही पहचान वह है जो मानव-मानव के बीच स्नेह का बाँध बाँधता है,

*जो मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोडकर आपस की दूरी को मिटाता है,

वही मानव कहलाने का अधिकारी होगा।

*जो मनुष्य बुद्धि को चैतन्य हृदय से जीतता है।

*आपसी भाईचारा,पारस्परिक प्रेम, सहमनुष्य के साथ स्नेह से रहना ही मानव का सही परिचय है।

3. इस कविता का दूसरा कौन सा शीर्षक हो सकता है? क्यों?

*अभिनव मनुष्य कविता का दूसरा शीर्षक आधुनिक युग दे सकते हैं।

*क्योंकि आज मानव ने प्रकृति के हर एक तत्व पर विजय प्राप्त कर लीया है।

*लेकिन मानव मानव के बीच का संबंध भूल गया है।आज मानव सब कुछ कर सकता है लेकिन मानव की आपस का प्रेम को नहीं समझ सका है।

III. भावार्थ लिखिए :

यह मनुज, जो सृष्टि का श्रृंगार
विज्ञान का विज्ञान का आलोक का आगार।
व्योमसे पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय
पर न यह परिचय मनुज का यह न उसका श्रेय।

कवि रामधारी सिंह दिनकर जी कहना चाहते हैं कि यह मनुज जो सृष्टि को श्रृंगार किया है। ज्ञान का विज्ञान का प्रकाश का आगार है। आकाश से पाताल तक सब कुछ इसे ज्ञान है। पर मनुज का यह परिचय नहीं है और न ही उसका श्रेय है।

IV. पंक्तियां पूर्ण कीजिए :

आज की दुनिया विचित्र नवीन
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयीपुरुष आसीन।
है बंधेनरके करो में वारि, विद्युत, भाप
हुक्मपर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप।

V. पर्यायवाची शब्द लिखिए:

1. दुनिया –जगत, संसार
2. विचित्र –अजीब, गजब
3. नवीन- नया, नव
4. नर- आदमी, पुरुष
5. वारि-जल, पानी
6. कर-हस्त, हाथ
7. आगार-घर, ग्रह

VI. विलोम शब्द लिखिए :

1. आज	x	कल
2. नवीन	x	प्राचीन
3. चढ़ता	x	उतरता
4. सामान	x	असमान
5. ज्ञान	x	अज्ञान
6. जीत	x	हार
7. असीमित	x	सीमित
8. तोड़	x	जोड़

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

VII. अनुरूप शब्द लिखिए :

1.गिरि : पहाड़ :: वारि : जल
2. पवन : वयु :: सिंधु : सागर
3. ज़मीन : आसमान :: आकाश : धरती
4. नर : आदमी :: उर : हृदय

****

पाठ-5 मेरा बचपन

–ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

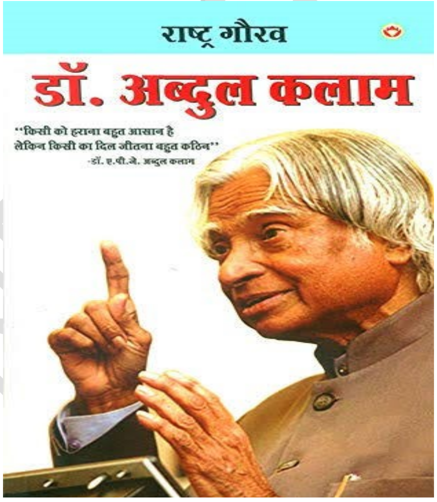

I.एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. अब्दुल कलाम जी का जन्म कहां हुआ?

अब्दुल कलाम जी का जन्म मद्रास राज्य (अब तमिलनाडु) के रामेश्वरम में हुआ।

2. अब्दुल कलाम जी बचपन में किस घर में रहते थे?

अब्दुल कलाम जी बचपन में अपने पुश्तैनी घर में रहते थे।

3. अब्दुल कलाम जी के बचपन में दुर्लभ वस्तु क्या थी?

अब्दुल कलाम जी के बचपन में पुस्तक दुर्लभ वस्तु थी।

4. अब्दुल कलाम जी का चचरे भाई कौन थे?

अब्दुल कलाम जी का चचरे भाई का नाम शम्सुद्दीन थे।

II. दो - तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1.अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीतने के कारण लिखिए।

*उनके पिता अनावश्यक एवं ऐशो- आरामवाली चीज़ों से दूर रहते थे।
*परंतु घर पर सभी आवश्यक चीज़ें समुचित मात्रा में सरलता से उपलब्द थीं।
* इसलिए उनका बचपन बड़ी निश्चिंतता और सादगी में बीता।

2. आशियम्मा जी अब्दुल कलाम को खाने में क्या-क्या देती थी?

*आशियम्मा जी अब्दुल कलाम को चावल एवं सुगंधित, स्वादिष्ट सांबार डालती।

*साथ में घर का बना अचार और नारियल की ताज़ी चटनी देती थी।

3. जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में क्य कहते थे ?

*जैनुलाबदीन नमाज की प्रासंगिकता के बारे में कहते हैं- ' जब तुम नमाज़ पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक हिस्सा बन जाते हो ; जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म-पंथ का कोई भेदभाव नहीं होता।'

4. जैनुलाबदीन ने कौन-सा काम शुरू किया?

*जैनुलाबदीन ने लकड़ी की नौकाएँ बनाने का काम शुरू किया।

*एक स्थानीय ठेकेदार के साथ समुद्र तट के पास ले नौकाएँ बनाने लगे।

*यह नौकाएँ तीर्थयात्रियों को रामेश्वरम से धनुषकोडी तकलाने- ले जाने के काम आती थी।

5.अब्दुल कलाम के पिताजी के बारे में लिखिए।

* जैनुलाबदीन की कोई औपचारिक शिक्षा नहीं हुई थी और न ही वे कोई बहुत धनी व्यक्ति थे।
*उनमें उदारता की सच्ची भावना थी।
*वह आडंबरहीन व्यक्ति थे।

6.जलालुद्दीन कलाम को किन-किन विषयों के बारे में बताते थे ?
कलाम को जलालुद्दीन ने नई दुनिया बोध कैसे कराया ?

*जलालुद्दिन हमेशा कलाम को शिक्षित व्योक्तियों, वैज्ञानिक खोजों, समकालीन साहित्य
और चिकित्सा विज्ञान की उपलब्धियों के बारे में बताते थे।
*ज्ञान संबंधी इन जानकारियों से कलाम को सीमित दायरे से बाहर निकालकर
नई दुनिया का बोध कराया।

III. चार या पांच वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. शमसुद्दीन अखबारों के वितरण का कार्य कैसे करते थे?

शमसुद्दीन रामेश्वरम में अखबारों की एकमात्र वितरक थे। अखबार रामेश्वरम स्टेशन पर सुबह की ट्रेन से पहुंचते थे। इस अख़बार एजेंसी को अकेले शमसुद्दीन ही चलातेथे।रामेश्वरम में अखबारों की जुमला 1000 प्रतियां बिकती थी।

V. अन्य वचन रूप लिखिए:

1. बच्चा - बच्चे

2. गली - गलियां

3. केला - केले

4. नौका - नौकाएं

5. प्रतियां - प्रती

6. पुस्तक - पुस्तकें

VI. विलोम शब्द लिखिए:

1.बहुत	x	कम
2.सुबह	x	शाम
3.असफल	x	सफल
4.अच्छा	x	बुरा
5.बड़ा	x	छोटा

VII. जोड़कर लिखिए:

अ	आ
1. मेरे पिता	जैनुलाब्दीन
2. मद्रास राज्य	तमिलनाडु
3. शमसुद्दीन	चचेरे भाई
4. अहमद जलालुद्दीन	अंतरंग मित्र
5. पक्का दोस्त	रामानंद शास्त्री

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

VIII. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

1. आशियम्मा उनकी आदर्श जीवनसंगिनी थी।

2. रामेश्वरम प्रसिद्ध तीर्थस्थल है ।

3. पुजारी पक्षी लक्ष्मण शास्त्री मेरे पिताजी के अभिन्न मित्र थे।

4. अखबार एजेंसी को अकेले शम्सुद्दीन ही चलाते थे।

5. अहमद जलालुद्दीन की मेरी बड़ी बहन जोहरा के साथ शादी हो गई ।

IX. अनुरूपता :

1. गांधीजी	:राष्ट्रपिता	::अब्दुल कलाम	: राष्ट्रपती
2. जलालुद्दीन	:जीजा	::शम्सुसुद्दीन	: चचेरा भाई
3. ट्रेन	:भू-यात्रा	:: नौका	: जल यात्रा
4. हिंदू	:मंदिर	::इस्लाम	:मस्जिद

****

पाठ-6 बसंत की सच्चाई

-विष्णु प्रभाकर

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1.बसंत क्या-क्या बेचता था?

बसंत दियासलाई, बटन और छलनी बेचता था ।

2. बसंत के भाई का नाम क्या था?

बसंत के भाई का नाम प्रताप था ।

3. पंडित राजकिशोर क्या काम करते थे?

पंडित राजकिशोर मजदूरों को लेक्चर देते थे ।

4. छलनी का दाम क्या था?

छलनी का दाम दो आना था ।

5. बसंत और प्रताप कहां रहते थे?

बसंत और प्रताप भीखू अहीर के घर में रहते थे ।

6. 'बसंत की सच्चाई' एकांकी में कितने दृश्य हैं?

'बसंत की सच्चाई' एकांकी में तीन दृश्य है ।

7. एकांकी का प्रथम दृश्य कहाँ घटता है?

एकांकी का प्रथम दृश्य बाजार में घटता है ।

8. बसंत के घर पर डॉक्टर को कौन ले आता है?

बसंत के घर पर डॉक्टर को अमरसिंह लेकर आता है ।

9. पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण क्या है?

पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण इमानदारी है ।

10.पं. राजकिशोर कहां रहते थे?

पं. राजकिशोर किशनगंज में रहते थे ।

II.दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. छलनी से क्या-क्या कर सकते हैं?

छलनी से चाय और दूध छान सकते हैं ।

2. बसंत राजकिशोर से क्या विनती करता है?

बसंत राजकिशोर से बटन और दियासलाई लेने केलिए विनती करता है।

जब राजकिशोर के द्वारा मना करने पर भी फिर से वह उन्हें छलनी लेने के लिए विनती करता है ।

3. बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से क्यों इनकार करता है?

बसंत एक स्वाभिमानी लड़का था । वह मुफ्त में पैसे लेने को भीख समझता था ।

इसलिए बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से इनकार करता है।

4. बसंत राजकिशोर के पास क्यों नहीं लौटा?

बसंत नोट भुनाने के लिए बाज़ार की ओर गया । जब नोट भुना कर वापस लौट रहा था तब वह मोटर के नीचे आ गया इससे उसके दोनों पैर कुछले गए । इसलिए वह राजकिशोर के पास नहीं लौटा ।

5. प्रताप राजकिशोर के घर क्यों आया?

बसंत राजकिशोर द्वारा दिए गए नोट को भुना कर वापस आते समय मोटर के नीचे आ गया । इससे उसके दोनों पैर कुछले गए इसलिए वह नहीं लौटा । छुट्टे पैसे वापस देने के लिए प्रताप राजकिशोर के घर आया ।

6. बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए किस तरह प्रेरित किया?

साहब छलनी लीजिए । दूध छानिए, चाय छानिए, सिर्फ दो आना कीमत है।जब राजकिशोर के द्वारा मना करने पर बसंत (रुआ - सा) होकर कहता है कि "साहब सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका । आपसे आशा थी। साहब एक तो ले लीजिए । इस प्रकार बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए प्रेरित किया ।

7. बसंत के पैर देखकर डॉक्टर ने क्या कहा?

बसंत के पैर देखकर डॉक्टर ने कहा कि शायद पैर की हड्डी टूट गई है । इसलिए उसे अस्पताल ले जाकर पैर का स्क्रीन करके देखना होगा ।

III. चार- छः वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. बसंत एक ईमानदार लड़का है । कैसे?

बसंत के अच्छे गुणो का वर्णन कीजिए । स्वाभिमानी बसंत का परिचय दीजिए ।

*बसंत ईमानदार और स्वाभीमानी लड़का हैं ।

*वह मेहनत से पैसे कमाना चाहता था ।

*इस कारण से वह बाज़ार में चीज़ें बेचता है ।

*पं. राजकिशोर बसंत को दो पैसे दिए तो, बसंत पैसे लेने से इनकार करता है

क्योंकि वह उसे भीख समझता है, वह भीख लेना नही चाहता है ।

*मोटर दुर्घटना में उसकी पैर की हड्डी टूटने पर भी वह अपने भाई प्रताप को

पं. राजकिशोर के घर उनके छुट्टे पैसे देने भेजता है ।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

2. बसंत और प्रताप अहीर के घर में क्यों रहते हैं?

बसंत और प्रताप के माँ-बाप को किसी ने दंगों में मार डाला था । अत: उनके परिवार में वे दोनो भाई ही रहते थे । इसलिए वे दोनो भीखू अहीर के घर में रहते है ।

3.राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए ।

राजकिशोर के मानवीय गुण अनुसरणीय हैं । कैसे ? बताइए ।

*पं. राजकिशोर मजदूरों के नेता थे ।
*गरीबों के प्रति हमदर्दी दिखाते है और उनके साथ आदर से व्यवहार करते हैं ।
*इसी कारण वे गरीब बसंत के पास छलनी खरीदा उसके भरोसे पर ही एक नोट उसके हाथ में दिया था ।
*प्रताप द्वारा मोटर दुर्घटना का विषय पता चलते ही वे सीधे अहीर टिले में रहनेवाले बसंत के घर जाते है ।
*वहाँ डाक्टर को भी बुलवाते है और उनसे बसंत की पैर की जाँच कराते हैं ।

IV. अनुरूपता:

1. पं. राजकिशोर	: किशनगंज	:: बसंत	: अहिर टीला
2. पं. राजकिशोर	: मजदूरों की नेता	:: बसंत	: गरीब लड़का
3. पं. राजकिशोर	: मालिक	:: अमर सिंह	: नौकर
4. प्रताप	: छोटा भाई	:: वर्मा	: डॉक्टर
5. ?	: प्रश्नार्थक चिन्ह	:: !	: भावसूचक चिन्ह

V. रिक्त स्थान भरिए:

1. मैं अभी बाजार से भुना लाता हूं ।
2. मैं आपके साढ़ेचौदह आने लाया हूं ।
3. तहम दोनों भीखू अहीर के घर में रहते हैं।
4. मैं एंबुलेंस के लिए फोन कर आता हूं।
5. इसमें एक दुर्लभ गुण है यह ईमानदार है।

VI. विलोमर्थक शब्द लिखिए :

1. पीछे	x	आगे
2. खरीदना	x	बेचना
3. लेना	x	देना
4. आना	x	जाना
5. शांति	x	अशांति
6. गरीब	x	अमीर

VII. कन्नड़ या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

1. उसकी आयु लगभग 12 वर्ष की है।
ಅವನ ವಯಸ್ಸು ಸರಿಸುಮಾರು 12 ವರ್ಷ ಆಗಿದೆ.
2. सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका।
ಬೆಳಗ್ಗಯಿಂದ ಇಲ್ಲಿವರೆಗೂ ಏನು ಮಾರಾಟ ಆಗಿಲ್ಲ.
3. मैं भीख नहीं लूंगा।
ನಾನು ಭೀಕ್ಷೆ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ.
4. बड़ी मुश्किल से बसंत को घर ले गए।
ಬಹಳ ಕಷ್ಟಪಟ್ಟು ಬಸಂತನನ್ನು ಮನೆಗೆ ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋದೆವು
5. बसंत ओंठ भीचकर आहखींचता है।
ಬಸಂತ ತುಟಿಕಚ್ಚಿ ನೋವಿನಿಂದ ಉಸಿರೆಳೆದನು.
6. यह गरीब है पर इसमें एक दुर्लभ गुण है।
ಇವನು ಬಡವನಿದ್ದಾನೆ ಆದರೆ ಇವನಲ್ಲಿ ಒಂದು ದುರ್ಬಲ ಗುಣವಿದೆ.

****

कल्याण मंत्रालय

पाठ-7 तुलसी के दोहे

-गोस्वामी तुलसीदास

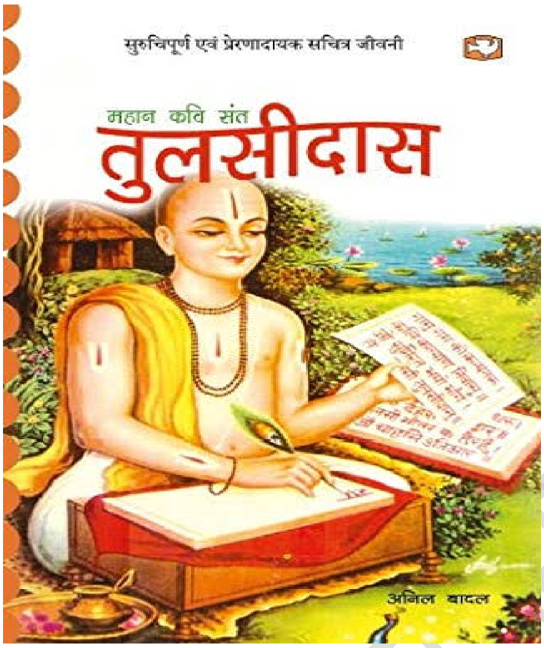

I. एक वाक्य मेंउत्तर लिखिए:

1. तुलसीदास मुख को क्या मानते हैं?

तुलसीदास मुख को सारे शरीर के सभी अंगों का पालन पोषण करने वाला अंग मानते हैं।

2. मुखिया को किसके समान रहना चाहिए?

मुखिया को मुख के समान रहना चाहिए।

3. हंस का गुण कैसा होता है?

पानी रूपी विकारों को छोड़कर दूध रूपी अच्छे गुणों को अपनाते हैं।

4. मुख किसका पालन पोषण करता है?

मुख शरीर के सारे अंगो का पालन पोषण करता है।

5. दया किसका मूल है?

दया धर्म का मूल है।

6. तुलसीदास किस शाखा के कवि है?

तुलसीदास राम भक्ति शाखा के कवि हैं।

7. तुलसीदास के माता पिता कौन है?

तुलसीदास के माता हुलसी और पिता का नाम आत्माराम है।

8. तुलसीदास का बचपन का नाम क्या है?

तुलसीदास का बचपन का नाम रामबोला था।

9. पाप का मूल क्या है ?

पाप का मूल अभिमान है।

10. तुलसीदास के अनुसार उत्पत्ति के साथी कौन है?

तुलसीदास के अनुसार विपत्ति के साथी विद्या, विनय और विवेक है।

II. दो तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1.मुखिया को मुख के समान होना चाहिए । कैसे ?

*मुखिया को मुख के समान होना चाहिए । मुँह खाने-पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता पीता है, उससे शरीर के सारे अंगो का पालन पोषण होता है ।

2. मनुष्य को हंस की तरह क्या करना चाहिए?

*इस संसार में अच्छे बुरे समझ -नासमझ के रूप में कई गुण दोष भरे हुए हैं ।

*जिस प्रकार हंस पक्षी दूध को ग्रहण करके सारहीन पानी को छोड़ता है उसी प्रकार संत लोग भी पानी रूपी विकारों को छोड़कर दूध रूपी अच्छे गुणों को अपनाते हैं ।

3. मनुष्य के जीवन में प्रकाश का फैलता है?

*जब मनुष्य अपने देहलीज रूपी जीभ पर राम नाम रूपी ज्योति रखता है तब उसके मन के अंदर और बाहर ज्ञान रूपी प्रकाश फैलता है ।

*जब वह राम नाम जपता है या स्मरण करता है तब मनुष्य के जीवन में चारों ओर ज्ञानरूपी प्रकाश फैलता है ।

III. अनुरूपता :

1. दया	: धर्म का मोल	:: पाप	: अभिमान का मूल
2. परिहरि	: त्यागना	:: करतार	: सृष्टिकर्ता
3. जीह	: जीभ	:: देहरी	: दहलीज

IV. भावार्थ लिखिए:

1. मुखिया मुख सो चाहिए, खान पान को एक।
पालै पोसै सकल अंग, तुलसी सहित विवेक।।

मुखिया को मुख्य के समान होना चाहिए । इस प्रकार तुलसीदास जी कहते हैं कि मुँह खाने-पीने का काम अकेला करता है लेकिन वह जो खाता पीता है उससे शरीर के सारे अंगो का पालन पोषण होता है । इसलिए मुखिया को भी ऐसे ही विवेक वान होकर वह अपना काम अपने तरह से करें लेकिन उसका फल सभी में बांटे।

2. तुलसी साथी विपत्ति के, विद्या विनय विवेक।
साहस सुकृति सुसत्यव्रत, राम भरोसो एक।।

तुलसीदासजी कहते हैं कि विद्या, विनय, विवेक यह विपत्ति के साथी हैं ।
जब मनुष्य पर विपत्ति आती है तब विद्या, विनय और विवेक ही उसका साथ निभाते हैं ।
जो राम पर विश्वास रखता है साहसी, सत्यव्रत तथा सुकृतवान बनता है ।

****

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

पाठ-8 इंटरनेट-क्रांति

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. इंटरनेट का अर्थ क्या है?

इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटर के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

2. इंटरनेट बैंकिंग द्वारा क्या भेजा जा सकता है?

इंटरनेट बैंकिंग द्वारा रकम भेजा जा सकता है।

3. प्रगतिशील राष्ट्र किसके द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं?

प्रगतिशील राष्ट्र ई- गवर्नेंस द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं।

4. समाज के किन क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है?

समाज के चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज्ञान, विज्ञान शिक्षा आदि तथा देश के रक्षा दलों की कार्यवाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है।

5. इंटरनेट -क्रांति का असर किस पर पड़ा है?

इंटरनेट क्रांति का असर बड़े-बूढों से लेकर छोटे बच्चों तक पर पड़ा है।

6. आई. टी.ई.एस का विस्तृत रूप क्या है?

आई. टी.ई.एस विस्तृत रूप इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एनेबल्ड सर्विसेस है।

II. दो तीन वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. इंटरनेट का मतलब क्या है?

इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटर के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

2. व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या मदद मिलती है?

*इंटरनेट द्वारा हम घर बैठे -बैठे खरीदारी कर सकते हैं।

*कोई भी बिल भर सकते हैं।

*दुकान जाने और लाइन में घंटों खड़े रहने का समय बच सकता है।

*इंटरनेट बैंकिंग द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितने भी रकम भेजी जा सकती है।

3. ई- गवर्नेंस क्या है?

ई-गवर्नेंस द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवरण, अभिलेख, सरकारी आदेश आदि का यथावत लोगों को सूचित किया जाता है। इससे प्रशासन पारदर्शी बन सकता है।

III. चार-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है?

*इंटरनेट द्वारा पल भर में बिना ज्यादा खर्च किए कोई भी विचार हो, स्थिर चित्र हो, वीडियो चित्र हो दुनिया के किसी भी कोने में भेजना मुमकिन हो गया है।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

*चाहो तो पूरे एक पुस्तकालय की किताबों के विषय को कम समय में कहीं भी भेज सकते है ।
*इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है ।
*शायद इसके बिना संचार और सूचना दोनों ही क्षेत्र ठप पड़ जाते हैं ।

2. 'वीडियो कान्फरेन्स' के बारे में लिखिए ।

*वीडियो कान्फरेन्स में एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8-10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते हैं।
*एक ही कमरे में बैठकर विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ विचार विनिमय कर सकते हैं ।

3. 'सोशल नेटवर्किंग' एक क्रांतिकारी खोज है । कैसे?

*सोशल नेटवर्किंग एक क्रांतिकारी खोज है । जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा कर दिया है ।
*सोशल नेटवर्किंग के कई साइट्स हैं, जैसे- फेसबुक, ऑरकुट, ट्विटर, लिंकडइन आदि ।
*इन साइटों के कारण देश विदेश के लोगों की रहन- सहन, वेश-भूषा, खान-पान के अलावा संस्कृति, कला आदि का प्रभाव शीघ्रातिशीघ्र हमारे समाज पर पड़ रहा है ।

4. इंटरनेट से कौन - सी हानियाँ हो सकती हैं?

*इंटरनेट एक ओर वरदान है तू दूसरी ओर वह अभीशाप है ।
*इंटरनेट की वजह से पैरसी, बैंकिंग फ्रॉड, हैकिंग आदि बढ़ रही है । मुक्त वेबसाइट, चैटिंग आदि से युवा पीढ़ी ही नहीं बच्चे भी इंटरनेट की कबंध बाहों के पाश में फंसे हुए हैं।
*इससे वक्त का दुरुपयोग होता है और बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकारी हासिल कर रहे हैं ।

IV. अनुरूपता:

1. कंप्यूटर	: संगणक यंत्र	:: इंटरनेट	: अंतर्जाल
2. आई.टी	: इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी	:: आई.टी.ई.एस	: इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एनेबल्ड सर्विसेस
3. फेसबुक	: वरदान	::हैकिंग	: अभिशाप
4. वीडियो कन्फरेन्स	: विचार विनिमय	:: ई – प्रशासन	: पारदर्शी प्रशासन

V. जोड़कर लिखिए :

1. इंटरनेट ने पूरे विश्व को	एक छोटे गांव का रूप दे दिया है।
2. इंटरनेट द्वारा कोई भी	बिल भर सकते हैं।
3. इंटरनेट समाज के लिए	बहुत बड़ा वरदान साबित हुआ।
4. इंटरनेट की वजह से	पैरसी, हैकिंग आदि बढ़ रही है।
5. इंटरनेट से सबको	सचेत रहना चाहिए ।

VI. कन्नड़ या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए:

3. इंटरनेट आधुनिक जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग बन गया है।

ಇಂಟರ್ನೆಟ್ ಆಧುನಿಕ ಜೀವನಶೈಲಿಯ ಒಂದು ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣ ಅಂಗವಾಗಿದೆ.

2. इंटरनेट द्वारा घर बैठे- बैठे खरीदारी कर सकते हैं।

ಇಂಟರ್ನೆಟ್ ಮೂಲಕ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಂಡು ಕೊಂಡುಕೊಳ್ಳಬಹುದು.

3. इंटरनेट की सहायता से बेरोजगारी को मिटा सकते हैं।

ಇಂಟರ್ನೆಟ್ ಸಹಾಯದಿಂದ ನಿರುದ್ಯೋಗವನ್ನು ತೊಲಗಿಸಬಹುದು.

VII. सही विलोम शब्दों को चुनकर लिखिए :

(नामुमकिन, अभिशाप, उपायुक्त, घटना, सदुपयोग, अस्थिर)

1. बढ़ना	x	घटना
2. स्थिर	x	अस्थिर
3. मुमकिन	x	नामुमकिन
4. वरदान	x	अभिशाप
5. दुरुपयोग	x	सदुपयोग

6. अनुपयुक्त x उपायुक्त

VIII. अन्य वचन रूप लिखिए : (उदाहरण के अनुसार)

उदा : पैसा – पैसे उदा : खबर – खबरें

1. परदा – परदे 1. किताब – किताबें

2. कमरा – कमरे 2. जगह – जगहें

3. दायरा – दायरे 3. कोशिश – कोशिशें

उदा : युग – युगउदा : जिंदगी – जिंदगियाँ

1. दोस्त – दोस्त 1. जानकारी – जानकारियाँ

2. कंप्यूटर – कंप्यूटर 2. चिट्ठी – चिट्ठियाँ

3. रिश्तेदार – रिश्तेदार 3. जीवनशैली – जीवनशैलियाँ

****

पाठ-9 ईमानदारों के सम्मेलन में

-हरिशंकर परसाई

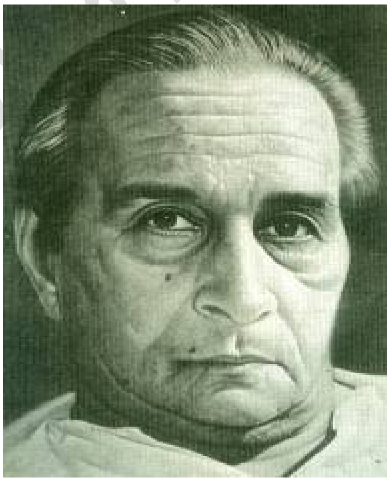

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए लिखिए:

1. प्रस्तुत कहानी के लेखक कौन हैं?

प्रस्तुत कहानी के लेखक हरिशंकर परसाई जी है ।

2. लेखक दूसरे दर्जे में क्यों सफर करना चाहते थे?

लेखक दूसरे दर्जे में 150 रुपये बचाने के लिए सफर करना चाहते थे ।

3. लेखक की चप्पलें किसने पहनी थी?

लेखक की चप्पलें ईमानदार डेलिगेट ने पहनी थी ।

4. स्वागत समिति के मंत्री किसको डॉटने लगे?

स्वागत समिति के मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे।

5. लेखक पहनने की कपड़े कहां दबाकर सोये?

लेखक पहनने के कपड़े सिरहाने के नीचे दबाकर सोये ।

6. सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से किन-किन को प्रेरणा मिल सकती है?

सम्मेलन में लेखक के भाग लेने से इमानदारों तथा उदीयमान ईमानदारों को प्रेरणा मिल सकती है ।

7. लेखक को कहां ठहराया गया?

लेखक को होटल के एक बड़े कमरे में ठहराया गया ।

8. ब्रीफकेस में क्या था?

ब्रीफकेस में कुछ कागज़ात थे ।

9. लेखक ने धूप का चश्मा कहाँ रखा था?

लेखक ने धूप का चश्मा टेबल पर रखा था ।

10. तीसरे दिन लेकर के कमरे से क्या गायब हो गया था?

तीसरे दिन लेकर के कमरे से कम्बल गायब हो गया था ।

II. दो तीन वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. लेखक को भेजे गए निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था?

*पत्र में लिखा था "हम लोग इस शहर में एक ईमानदार सम्मेलन कर रहे हैं ।
*आप देश के प्रसिद्ध ईमानदार हैं ।
*हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करें ।
*हम आपको आने- जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे तथा आवास भोजन आदि की उत्तम व्यवस्था करेंगे ।

2. फूल मालाएं मिलने पर लेखक क्या सोचने लगे?

*लेखक को लगभग दस बड़ी फूल मालाएँ पहनाई गयीं ।
*उन्होंने सोचा आसपास कोई माली होता तो फूल- मालाएँ भी बेच लेता।

3. लेखक ने मंत्री को क्या समझाया?

लेखक ने मंत्री को समझाया की-"ऐसा हरगिज़ मत करिये । ईमानदारों के सम्मेलन में पुलिस ईमानदारों की तलाशी ले, यह बड़ी अशोभनीय बात होगी । फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।"

4. चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलीगेट ने क्या सुझाव दिया?

डेलीगेट ने सुझाव दिया कि-"देखिए, चप्पलें एक जगह नहीं उतारने चाहिए । एक चप्पल यहाँ उतारिये, तो दूसरी दस फीट दूर । तब चप्पलें चोरी नहीं होतीं । एक ही जगह जोड़ी होगी, तो कोई भी पहन लेगा । मैंने ऐसा ही किया था।"

5. लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय क्यों लिया?

होटल के कमरे में बहुत ज्यादा चोरियाँ होने लगी थी । अपने पास बची वस्तुओं को सुरक्षित रखने के लिए लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय लिया ।

6. मुख्य अतिथि की बेईमानी कहां दिखाई देती है?

*मुख्य अतिथि ने ईमानदार डेलीगेट की फटी पुरानी चप्पलें बिना बताए पहन ली थी ।
इससे पहले भी सोचते थे कि दूसरे दर्जे में यात्रा करके पहले दर्जे का किराया वसूल कर लिया जाए और स्वागत में पहनाई गयी दस फूल मालाओं को किसी माली को बेच लेता ।

III. चार-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. लेखक के धूप का चश्मा खो जाने की घटना का वर्णन कीजिए।

*लेखक का धूप का चश्मा कहीं खो गया था ।
*आसपास यह बात हर जगह फैल गई ।
*इस बीच एक सज्जन, लेखक के पास आए और बोले-"बड़ी चोरियाँ हो रही हैं ।
*देखिए आपका धूप का चश्मा ही चला गया ।"
लेखक ने ध्यान से देखा तो वे सज्जन उनका ही धूप का चश्मा पहने हुए थे ।

2. मंत्री तथा कार्यकर्ताओं के बीच में क्या वार्तालाप हुआ?

*मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटने लगे,"तुम लोग क्या करते हो? तुम्हारी ड्यूटी कहाँ है ।
*तुम्हारे रहते चोरियाँ हो रही है ।
*यह ईमानदार सम्मेलन है ।
*बाहर यह चोरी की बात फैली, तो कितनी बदनामी होगी?
* कार्यकर्ताओं ने कहा,"हम क्या करें? अगर सम्माननीय डेलीगेट यहां वहां जायें, तो क्या हम उन्हें रोक सकते हैं?"
*तब मंत्री ने गुस्से से कहा,"मैं पुलिस को बुलाकर यहां सबकी तलाशी करवाता हूं ।"

3. सम्मेलन में लेखक के क्या क्या अनुभव रहे? संक्षेप में लिखिए ।

*सम्मेलन में शानदार उद्घाटन के बाद लेखक की चप्पलों की अदला बदली हो गयी ।

*लेखक ने देखा कि बिस्तर की चादर भी गायब है ।

*अगले दिन उन्होंने देखा कि दो और चादरें होटल के कमरे से गायब थी ।

*इसी दौरान उनका धूप का चश्मा भी खो गया था ।

*बाद में उन्होंने एक सज्जन व्यक्ति के पास देखा ।

*सम्मेलन के तीसरे दिन उनका कम्बल भी गायब था ।

अगले दिन लेखक रात को पहनने के कपड़े सिरहाने के नीचे दबाया और नई चपले तथा शेविंग के डिब्बे को बिस्तर के नीचे दबाया ।

*अगले दिन ताला चोरी हो गया ।

*तब लेखक ने तय किया कि जल्दी से उस जगह को खाली करना चाहिए ।

IV. अनुरूपता:

1. पहला दिन	: चपलें गायब थी	::	दूसरे दिन	: चादर गायब थी
2. तीसरे दिन	: कम्बल गायब था	::	चौथे दिन	: ताला गायब था
3. रिक्शा	:तीन पहियों का वाहन	::	साइकिल	:दो पहियों का वाहन
4. रेलगाड़ी	: पटरी	::	हवाई जहाज	: हवा

V. रिक्त स्थान भरिए:

1. हम लोग शहर में एक इमानदार सम्मेलन कर रहे हैं।
2. मेरी चप्पलें गायब थी ।
3. वह मेरा चश्मा लगाये इतमीनान से बैठे थे।
4. फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही।

VI. विलोम शब्द लिखिए:

1. आगमन x निर्गमन
2. रात x दिन
3. जवाब x सवाल
4. बेचना x खरीदना
5. सज्जन x दुर्जन

VII. बहुवचन रूप लिखिए:

1. कपड़ा- कपड़ें
2. चादर -चादरें
3. बात- बातें
4. डिब्बा- डिब्बे
5. चीज -चीजें

VIII. प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए:

1. ठहरना -ठहराना- ठहरवाना
2. धोना - धुलाना - धुलवाना
3. देखना- दिखाना- दिखावाना
4. लौटना -लौटाना - लौटवाना
5. उतरना - उतराना - उतरवाना
6. पहनना- पहनाना- पहनवाना

IX. संधि विच्छेद करके संधि का नाम लिखिए:

1. स्वागत=सु+आगत=यण् संधि

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

2. सहानुभूति= सह+ अनुभूति=दीर्घ संधि

3. सज्जन=सत्यजन+=व्यंजन संधि

4. परोपकार=पर +उपकार =गुण संधि

5. निश्चिंत=नि:+चिंत= विसर्ग संधि

6. सदैव=सदा+एवं =वृद्दि संधि

IX. कन्नड़ या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए:

1. हम आपको आने- जाने का पहले दर्जे का किराया देंगे ।

ನಾವು ನಿಮಗೆ ಬಂದುಹೋಗುವ ಪ್ರಥಮ ದರ್ಜೆಯ ಬಾಡಿಗೆ ಕೊಡುತ್ತೇವೆ.

2. स्टेशन पर मेरा खूब स्वागत हुआ ।

ಸ್ಟೇಷನ್ ನಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಅದ್ದೂರಿ ಸ್ವಾಗತವಾಯಿತು.

3. देखिए, चपलें एक जगह नहीं उतारना चाहिए ।

ನೋಡಿರಿ, ಚಪ್ಪಲಿಗಳನ್ನು ಒಂದು ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಬಿಡಬಾರದು.

4. अब मैं बच्चा हूं । अगर रुका तो मैं ही चुरा लिया जाऊंगा ।

ಈಗ ನಾನು ಉಳಿದಿದ್ದೇನೆ. ಒಂದು ವೇಳೆ ನಿಂತರೆ ನಾನೇ ಕಳೆದುಹೋಗುತ್ತೇನೆ.

****

पाठ-10 दुनिया में पहला मकान

-डा. विजया गुप्ता

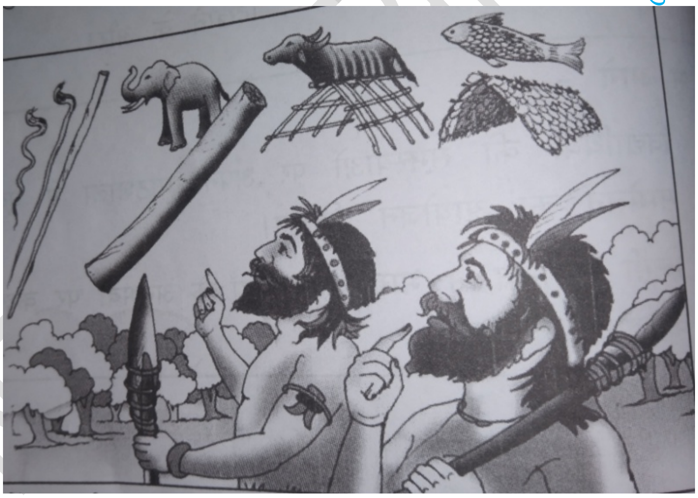

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. सिंगफो आदिवासी कहाँ रहते थे?

सिंगोली आदिवासी पूर्वोत्तर भारत में रहते थे ।

2. सबसे पहले आदमी को मकान बनाना किसने सिखाया?

सबसे पहले आदमी को मकान बनाना बहुत से पशुओं ने सिखाया ।

3. मकान के बारे में पूछ-ताछ करने दोनों दोस्त कहां चल पड़े?

मकान बनाने के बारे में पूछताछ करनी दोनों दोस्त जंगल की ओर चल पड़े ।

4. दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले किससे हुई?

दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले हाथी से हुई ।

5. दोस्तों ने क्या-क्या तय किया?

दोस्तों ने मकान बनाना तय किया ।

6. हाथी से उत्तर पाकर दोस्त किससे मिले?

हाथी से उत्तर पाकर दोस्त साँप से मिले।

7. सब जानवरों की बातें सुनकर दोस्तों ने क्या किया?

सब जानवरों की बातें सुनकर दोस्तों ने घर बनाया।

II. दो-तीन वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. लालिम और किंचा लालीदाम जंगल की ओर क्यों चल पड़े?

*लालिम और किंचा लालीदाम नामक दो दोस्तों ने तय किया कि वे मकान बनाएंगे।

*मुश्किल यह थी कि वे नहीं जानते थे कि मकान कैसे बनाए जाते हैं।

*इसलिए वे पशुओं से पूछताछ करने के लिए जंगल की ओर चल पड़े।

2. दोस्तों ने हाथी के साथ किसकी चर्चा की?

हाथी भाई हम लोग मकान बनाना चाहते हैं आप बता सकते हैं कि मकान कैसे बनाए जाते हैं।

3. हाथी ने दोस्तों को क्या उत्तर दिया?

हाथी ने दोस्तों को यह उत्तर दिया कि पेड़ों से लकड़ी के इतने मोटे और मजबूत गोले काट लो, जितने मेरे पैर हैं।

4. दोस्तों ने किन-किन जानवरों से मुलाकात की?

दोस्त ने हाथी, साँप, भैंस और मछली से मुलाकात की।

III. तीन- चार वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. सांप अपने दोस्तों को क्या सुझाव दिया?

* साँप भाई हम लोग घर बनाना चाहते हैं आप बता सकते हैं कि कैसे बनाया जाए? हाथी ने हमसे कहा है कि उसके पैर जैसे मजबूत और मोटे लकड़ी के गोले पेड़ से काट लो उसे बस इतना ही मालूम है आगे की बात तो वह नहीं जानता।"

*साँप ने कहा, "ऐसा करो की लकड़ी ऐसी पतली और लंबी कार्टून जैसा मैं हूं।"

* दोनों दोस्तों ने पूछा, "इसके बाद फिर क्या करना पड़ेगा?"

*साँप ने कहा,"आगे की बात मैं नहीं जानता। मुझे रत्ती- भर पता नहीं।

2. भैंस के पंजे से दोस्तों को क्या जानकारी मिली?

*भैंस का भैंसा मर गया था। भैंसे का मांस दूसरे जानवर खा गए थे। खाली पंजर पड़ा था। भैंस उसी के पास खड़ी दु:ख मना रही थी।

*भैंस ने दोनों दोस्तों को अपने भैंसे का पंजर दिखाया बोली जैसे इस पंजर में चार पैरों पर हड्डियाँ पड़ी है उसी तरह चार मोटे गोले जमीन में गाड़ कर उन पर पतली और लंबी लकड़ियों से छप्पर का पंजर बना लो।

3. मछली ने दोस्तों के प्रश्न का क्या जवाब दिया?

*मछली ने कहा, "आप लोग ज़रामेरी पीठ की पट्टियाँ ध्यान से देख लो।फिर पेड़ों से बहुत -सी पत्तिया तोड़ लो।

*इन पत्तियों को छप्पर पर उसी तरह जमा दो जैसी मेरी पीठ पर पट्टिया हैं।

IV. अनुरूपता:

1. हाथी	:जंगली जानवर	::	भैंस	:पालतू जानवर
2. मछली	:पानी	::	साँप	:जमीन
3. मछली	: तैरना	::	साँप	: रेंगना
4. हाथी	:सूंड	::	भैंस	: सिंग

V. अन्य वचन रूप लिखिए:

1. कहानी- कहानियाँ
2. गुफा –गुफाएँ
3. पेड़- पेड़
4. पति- पत्तिया
5. हड्डी- हड्डियाँ
6. मछली –मछलियाँ
7. लकड़ी- लकड़ियाँ
8. पट्टी –पट्टियाँ
9. लोग - लोग
10 घर - घर

VI. अन्य लिंग रूप लिखिए:

1. आदमी - औरत
2. हाथी - हथिनी
3. भैंस - भैंसा
4. शेर - शेरनी
5. मोर - मोरनी
6. बहन - भाई

VII. विलोम शब्द लिखिए:

1. बहुत	x	कम
2. दिन	x	रात
3. नीचे	x	ऊपर
4. मुश्किल	x	आसान
5. आगे	x	पीछे
6. मजबूत	x	कमजोर
7. लंबी	x	चौड़ी
8. पास	x	दूर
9. दोस्त	x	दुश्मन
10. काटना	x	लगाना

VIII. जोड़कर लिखिए:

अ	आ
1. तालाब	मछली
2. हाथी	पैर
3. भैंस	हड्डियाँ
4. पहला	मकान
5. सिंगफो	आदिवासी

IX. रिक्त स्थान भरिए:

1. भैंस ने दोस्तों को अपनी बहन से का पंजर दिखाया।
2. दोस्तों की मुलाकात अंत में मछली से हुई।
3. आप लोग जरा मेरी पीठ की पट्टिया ध्यान से देख लो।
4. भैंस बहन, हम लोग मकान बनाना चाहते हैं ।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

X. पर्यायवाची शब्द लिखिए:

1. मकान=घर, भवन

2. पेड़= तरु, वृक्ष

3. दोस्त=मित्र, सखा

4. भेंट= मुलाकात, मिलन

XI. प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए:

1. बनना- बनाना

2. गिरना- गिराना

3. लगना -लगाना

4. सीखना -सिखाना

5. करना- कराना

6. ठहरना -ठहराना

XII. कन्नड़ या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए:

1. भैंस ने दोस्तों को पंजर दिखाया।

ಎಮ್ಮೆಯು ಗೆಳೆಯರಿಗೆ ಪಂಜರವನ್ನು ತೋರಿಸಿತು.

2. साँप ने कहा, 'आगे की बात मैं नहीं जानता।'

ಹಾವು ಹೇಳಿತು ಮುಂದಿನ ಮಾತು ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ.

3. हाथी बोला, 'इसमें क्या कठिनाई है?'

ಆನೆ ಹೇಳಿತು ಇದರಲ್ಲಿ ಏನು ಕಠಿಣವಿದೆ.

4. तालाब में एक बहुत बड़ी मछली तैर रही थी।

ಕೆರೆಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಮೀನು ಈಜುತಿತ್ತು.

****

पाठ-11 समय की पहचान

-सियारामशरण गुप्त

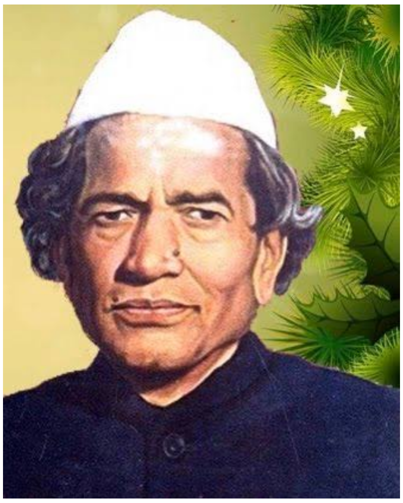

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. कवि के अनुसार मनुष्य को सुख कब नहीं मिलता?

समय को नष्ट करने से कवि के अनुसार मनुष्य को सुख नहीं मिलेगा।

2. बहाने बनाने का प्रमुख कारण क्या है?

बहाने बनाने का प्रमुख कारण आलस है।

3. समय किस का दिया हुआ अनुपम धन है?

समय ईश (भगवान) का दिया हुआ अनुपम धन है।

4. कभी किस पर विश्वास करने को कहते हैं?

कभी अपनी आत्मा पर विश्वास करने को कहते हैं।

5. समय के खोने से क्या होता है?

समय के खोने से पछताना पड़ता है।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति कब संभव है?

*मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति तब संभव है जब वह समय का सदुपयोग करता है।
*काम के समय में बहाने करके नहीं टालना चाहिए।
*समय का नष्ट ना करके सू समय पर जो काम करना है उसे मन लगाकर करता है।
*ऐसे मनुष्य को जीवन में सुख की प्राप्ति होती है।

2. समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए?

*एक पल को भी व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए।
*एक-एक पल से ही जीवन बनता है।
*इसलिए काम को कोई भी उसे बिना किसी बहाने बनाए उसी समय पर पूरा मन लगाकर करना चाहिए।
*आलस्य त्यागकर समय को अमूल्य धन मानकर कार्य करने से जीवन सफल होता है।
*हमें काम करने का जो अवसर प्राप्त होता है उसे व्यर्थ जाने नहीं देना चाहिए।

3. कविता के अंतिम पंक्तियों में कवि क्या कहना चाहते हैं?

*कवि के अनुसार अपने आप पर विश्वास रखकर जो भी काम हम करें उसे पूरी लगन के साथ करें।
*हमें काम करने का अच्छा अवसर प्राप्त होता है।
*उसे व्यर्थ जाने नहीं देना चाहिए।
*समय को खोकर मनुष्य सुखी नहीं रह पाता।
*समय को खोकर मनुष्य हमेशा पछताना पड़ता है।

III. निम्नलिखित शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:
(सर्वथा, चक्रवर्ती, करो अभी, शुभ)

1. जो करना है, करो अभी, कल हो क्या जाने?
2. चाहो तुम क्यों नहीं चक्रवर्ती भी होके।
3. यही समय ही अहो तुम्हारा शुभ जीवन है।
4. खोकर पीछे इसे सर्वता पछताओगे।

IV. अनुरूपता:

1. आलस	: परिश्रम	:: नष्ट	: लाभ
2. जानो	: मानो	::लगा दो	: भगा दो
3. धन	: निर्धन	:: दिया	:लिया
4. जीवन	: मरण	::खोना	: पाना

V. जोड़कर लिखिए:

1. उद्योगी	सुसमय
2. आलस	बहाना
3. जीवन	पल पल
4. समय	अनुपम धन
5. द्रव्य	समता

****

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

पाठ-12 रोबोट

-डा. प्रदीप मुखोपादध्याय आलोक

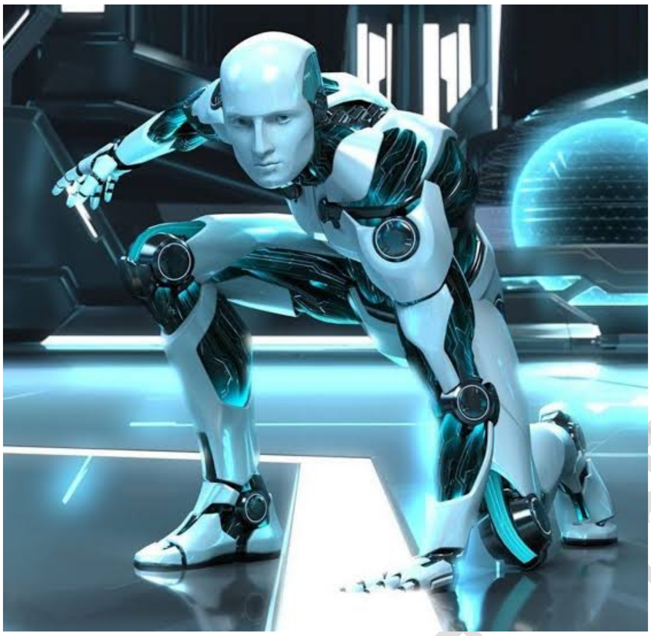

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. वर्षों से सक्सेना के परिवार में कौन काम कर रहा था?

वर्षों से सक्सेना परिवार में साधोराम काम कर रहा था ।

2. धीरज सक्सेना किस कार्यालय में जा पहुँचे?

धीरज सक्सेना रोबोटोनिक्स कारपोरेशन के कार्यालय में जा पहुँचे ।

3. एक रोबोट वेक्यूम क्लीनर से क्या साफ कर रहा था?

एक रोबोट वेक्यूम क्लीनर से दफ्तर के फर्श को साफ कर रहा था ।

4. रोबोनिल की मुलाकात किससे हुई?

रोबोनिल की मुलाकात रोबोदीप से हुई।

5. शर्मा परिवार की कुत्ते का नाम लिखिए।

शर्मा परिवार की एक कुत्ते का नाम झबरू है ।

6. रोबोनील और रोबोदीप किस से मिलने गए?

रोबोनिल और रोबोदीप, रोबोजीत से मिलने गए ।

7. वैज्ञानिक लेखक का नाम लिखिए।

वैज्ञानिक लेखक का नाम आइज़क असीमोव है।

II. दो- तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. साधोराम को क्या हुआ था?

साधोराम अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई थी ।
इसलिए उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।

2. धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की जरूरत क्यों थी?

नाती- पोतों का होमवर्क कराने के लिए एवं वर्ड प्रोसेसर पर काम संभालने के लिए धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की जरूरत थी।

3. रोबोदीप ने रोबोनिल से क्या कहा?

तुम्हारे परिवार के मुखिया धीरज सक्सेना की शर्मा साहब से मुलाकात हुई थी उन्होंने बताया कि वह अब साधोराम की छुट्टी करनेवाले हैं।

4. रोबोनिल ने रोबोजीत को क्या समझाने की कोशिश की?

कोई रोबोट किसी इंसान के नुकसान का कारण बने साथ -साथ मानवीय नज़रिए से भी यह गलत है कि हमारे कारण किसी भी इंसान की नौकरी को खतरा पहुँचे। इस बात को समझाने की कोशिश की।

5. कहानी को टाइप करते समय रोबोनिल को क्या हुआ?

कहानी टाइप करते समय रोबोनील की धात्विक और तारों भरे परीपंथवाली खोपड़ी में यकायक मानो नीली रोशनी हो गई।

III. पांच-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. धीरज सक्सेना ने घरेलू कामकाज के लिए रोबोट रखने का निर्णय क्यों लिया?

*सक्सेना परिवार बड़ा था बेटे -बेटियों, नाती -पोतों से घर में हमेशा रौनक और चहल-पहल बनी रहती।

*साधोराम के अस्पताल पहुंचाने से सभी की तकलीफें बढ़ गई।

*धीरज सक्सेना से परिवार वालों का यह दुख नहीं देखा गया तभी परिवार के मुखिया के नाते कोई रोबोट रखने का निर्णय लिया।

2. रोबोनिल और रोबोदीप की मुलाकात का वर्णन कीजिए।

*रोबोनिल रोज शाम को शेरू को टहलाने के लिए ले जाता था।

*ऐसे में एक दिन उसकी मुलाकात रोबोदीप से हो गई।

*रोबोदीप उसी मोहल्ले में रहने वाले शर्मा परिवार के कुत्ते झबरू को घुमाने आया करता था।

*दोनों रोबोटों के बीच दोस्ती हुई तो शेरू और झबरू भी आपस में हिल मिल गए।

3. विज्ञान कथा का सार लिखिए।

*वैज्ञानिक एवं विज्ञान लेखक आइज़क असीमोव के रोबोटिकी के नियम के खिलाफ तो यह है कि कोई रोबोट किसी इंसान के नुकसान का कारण बने |

*साथ-साथ मानवीय नज़रिए से भैया गलत है कि हमारे कारण किसी भी इंसान की नौकरी को खतरा पहुँचे।

4. रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच हलचल क्यों मच गई?

*रोबोनिल और रोबोदीप की सब बातें सुनकर अध्यक्ष ने संघ की कार्यकारिणी की आपातकालीन बैठक बुलाई।

*बैठक में तय हुआ कि सभी रोबोटिक कंपनियों के काम करनेवाले रोबोटों की हड़ताल का आह्वान कर दिया जाए।

*रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच आह्वान से हलचल मच गई।

IV. निम्नलिखित कारकों को चुनकर लिखिए:

(का, के, में, से, की)

1. वर्ष 2030 के नवंबर का महीना था।

2. आप साधारण रोबोट से भी काम चला सकते हैं।

3. रोबोनिल के घर में आ जाने से सभी ने राहत की सांस ली।

4. रोबोटों की हड़ताल की घोषणा हुई।

5. संघ को यह बात मानने में कोई आपत्ति नहीं हुई।

V. जोड़कर लिखिए:

अ	आ
1. यह सुनकर काउंटर पर	बैठा रोबोट बोला।
2. मगर, रोबोदीप, यह तो	रोबोटिकी के नियम के विरुद्ध है।
3. शाम को रोबोनिल	और रोबोदीप मिले।
4. दोनों के बीच कुछ	गुप्त मंत्रणा हुई।
5. सक्सेना परिवार रोबोनिल को	पाकर फूला नहीं समा रहा था।

VI. अन्य वचन रूप लिखिए:

1. बेटा -बेटा

2. नाती-नातियाँ

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

3. कुत्ता- कुत्ते
4. छुट्टी –छुट्टियाँ
5. बेटियाँ -बेटी
6. पोता- पोते
7. कंपनियाँ- कंपनी
8. नौकरीयाँ -नौकरी

VII. अनुरूपता:

1. शेरू को टहलाना : रोबोनिल :: झबरू को घुमाना: रोबोदीप
2. मुखिया : धीरज सक्सेना :: सेवक :साधोराम
3. टस से मस ना होना : अटल रहना :: फूले न समाना : अत्यधिक खुश होना

****

पाठ-13 महिला की साहसगाथा

I.एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. बछेंद्री पाल को कौन -सा गौरव प्राप्त है?
बछेंद्री पाल को एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला होने का गौरव प्राप्त है ।
2. बिछेंद्री के माता -पिता कौन थे?
बछेंद्री की माता हंसादेई नेगी और पिता किशनपाल सिंह थे ।
3. बछेंद्री ने क्या निश्चय किया?
बछेंद्री ने निश्चय किया कि वह अपने भाई जैसे पहाड़ों पर चढ़ेगी ।
4. बछेंद्री ने किस ग्लेशियर पर चढ़ाई की?
बछेंद्री ने गंगोत्री ग्लेशियर पर चढ़ाई की ।
5. सन 1983 में दिल्ली में कौन- सा सम्मेलन हुआ था?
सन 1983 में दिल्ली में हिमालय पर्वतारोहियों का सम्मेलन हुआ था ।
6. एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ कौन थे?
एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ पर्वतारोही अंग दोरजी थे।
7. कर्नल का नाम क्या था?
कर्नल का नाम खुल्लर था ।
8. ल्हाटू कौन -सी रस्सी लाया था?
ल्हाटू नायलॉन की रस्सी लाया था ।

9. बछेंद्री ने थैले से कौन- सा चित्र निकाला?
बछेंद्री ने थैले से दुर्गा माँ का चित्र निकाला।
10. कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेंद्री से क्या कहा?
कर्नल ने बधाई देते हुए बछेंद्री से कहा "देश को तुम पर गर्व है।"
11. मेजर का नाम क्या था?
मेजर का नाम कुमार था।
12. बछेंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने कौन -सा पदक देकर सम्मान किया?
बछेंद्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने स्वर्ण पदक देकर सम्मान किया।
II. दो तीन वाक्य में उत्तर लिखिए:
1. बछेंद्री पाल के परिवार का परिचय दीजिए।
बछेंद्री का जन्म एक साधारण भारतीय परिवार में हुआ था। पिता किशन पाल सिंह तथा माता हंसादेई नेगी की पाँच संस्थानों में बिछेंद्री तीसरी संतान है।
2. बछेंद्री का बचपन कैसे बीता?
*बछेंद्री का बचपन संघर्षमय था। उसे रोज पांच किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था।
*सिलाई का काम सीखा और सिलाई करके पढ़ाई का खर्चा जुटाया।
*इस तरह संस्कृत में एम.ए तथा बी.एड. तक की शिक्षा प्राप्त की।
3. बछेंद्री ने पर्वतारोहण के लिए किन-किन चीज़ों का उपयोग किया?
*बर्फ काटने के लिए फावड़े का इस्तेमाल किया। चढ़ाई चढ़ने के लिए नायलॉन की रस्सी का उपयोग किया।
*इनके अलावा ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर का भी उपयोग किया।
4. एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचकर बिछेंद्री ने क्या किया?
*एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचकर बिछेंद्री ने खुद के लिए स्थान सुरक्षित किया। अपने घुटनों के बल बैठी।
*बर्फ को अपने माथे लगाकर सागरमाथे के ताज को चुंबन किया। बाद में हनुमान चालीसा और माँ दुर्गा की पूजा की।
III. चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए:
1. बछेंद्री ने पहाड़ पर चढ़ने की तैयारी किस प्रकार की?
*बछेंद्री ने पहाड़ पर चढ़ने के लिए दो दल बनाए गए।
*सुबह हल्का नाश्ता करने के बाद 5:30 बजे तंबू से निकल पड़े।
*अंग दोरजी के साथ बगैर रस्सी के हीचढ़ाई की।
*वहाँ जमी हुई बर्फ काटने के लिए फावड़े का इस्तेमाल किया।
*कभी नायलॉन रस्सी के सहारे चढ़ाई की ऑक्सीजन की आपूर्ति रेगुलेटर पर बढ़ाकर कठिन चढ़ाई आसान बनाई।
2. दक्षिणी शिखर पर चढ़ते समय बछेंद्री के अनुभव के बारे में लिखिए।
*बछेंद्री ने अंग दोरजी के साथ सुबह के नाश्ते के बाद चढ़ाई प्रारंभ की।
*शुरू में बिना रस्सी के ही चढ़ाई की।
*फावड़े का इस्तेमाल भी करना पड़ा क्योंकि बर्फ सीधी और ढलाऊ चट्टाने थी।
*आगे की चढ़ाई नायलॉन की रस्सी के सहारे की।
*दक्षिणी शिखर के ऊपर तेज हवा के झोंके भुर भुरे बर्फ के कणों को चारों तरफ उड़ा रहे थे।
*उसने देखा कि थोड़ी दूर तक कोई ऊंची चढ़ाई नहीं है।
*ढलान एकदम सीधी नीचे चली गई थी उसकी शान एकदम रुक गई थी उसको लगा कि सफलता बहुत नज़दीक है।
3. प्रस्तुत पाठ से क्या संदेश मिलता है?
*इस पाठ से बच्चे साहस गुण, दृढ़ निश्चय, अथक परिश्रम, मुसीबतों का सामना करना इत्यादि आदर्श गुण सीखते हैं।
*महिलाएँ भी साहस प्रदर्शन में पुरुषों से कुछ कम नहीं है।
*मेहनत का फल अच्छा होता है।

IV. जोड़कर लिखिए:

अ	आ
1. गंगोत्री ग्लेशियर की चढ़ाई	सन् 1982
2. पर्वतारोहियों का सम्मेलन	सन् 1983
3. एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचना	सन् 1984

V. अनुरूप शब्द लिखिए:

1. पहाड़ : गिरी ::चोटी : शिखर
2. कालानाग :पर्वत :: गंगोत्री :ग्लेशियर
3. कर्नल :खुल्लर ::मेजर :कुमार
4. चाय :गरम ::बर्फ : ठंडा
5. पहले हिमालय पर्वतारोही पुरुष :तेनजिंग नोर्गे ::पहली एवरेस्ट पर्वतारोही महिला :जुंके ताबी

VI. स्त्रीलिंग शब्द लिखिए:

पुल्लिंग स्त्रीलिंग

1. बाप – माँ
2. पुरुष -स्त्री
3. भाई -बहन
4. बेटा -बेटी
5. श्रीमान -श्रीमती

VII. अन्य वचन लिखिए:

1. चट्टान -चट्टाने
2. रस्सी –रस्सियाँ
3. शीशा -शीशे
4. छोटी –चोटियाँ
5. चादर -चादरें

VIII. विलोम शब्द लिखिए:

1. आरोहण	x	अवरोहण
2. चढ़ना	x	उतरना
3. ठंडा	x	गरम
4. परिश्रम	x	विश्राम
5. सामने	x	पीछे

IX. कन्नड़ या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए:

1. बछेंद्री का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ था।
ಬಛೇಂದ್ರಿ ಅವರ ಜನನ ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಕುಟುಂಬದಲ್ಲಿ ಆಯಿತು.

2. बछेंद्री को रोजगार दल चलकर स्कूल जाना पड़ता था।
ಬಛೇಂದ್ರಿಯವರು ಪ್ರತಿದಿನ ಶಾಲೆಗೆ ನಡೆದು ಹೋಗಬೇಕಾಗಿತ್ತು.

3. दक्षिणी शिखर के ऊपर हवा की गति बढ़ गई थी।
ದಕ್ಷಿಣ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ಗಾಳಿಯ ರಭಸ ಹೆಚ್ಚಾಗಿತ್ತು.

4. मुझे लगा कि सफलता बहुत नज़दीक है।
ಸಫಲತೆ ತುಂಬಾ ಸಮೀಪದಲ್ಲಿದೆ ಎಂದು ನನಗೆ ಅನಿಸಿತು.

5. मैं एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचनेवाली प्रथम भारतीय महिला थी ।
ನಾನು ಎವರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರ ತಲುಪಿದ ಮೊದಲ ಭಾರತೀಯ ಮಹಿಳೆಯಾಗಿದ್ದೆ.

****

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

पाठ-14 सूर-श्याम

-सूरदास

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. सूर -श्याम पद के रचयिता कौन हैं?

सूर -श्याम पद के रचयिता सूरदास हैं ।

2. कृष्ण की शिकायत किसके प्रति है?

कृष्ण की शिकायत भाई बलराम के प्रति हैं ।

3. यशोदा और नंद का रंग कैसा था?

यशोदा और नंद का रंग गोरा था ।

4. चुटकी दे -देकर हँसनेवाले कौन थे?

चुटकी दे -देकर हँसनेवाले ग्वाल मित्र थे ।

5. यशोदा किसकी कसम खाती है?

यशोदा गोदन की कसम खाती है ।

6. बालकृष्ण किससे शिकायत करता है?

बालकृष्ण माता यशोदा से शिकायत करता है ।

7. बलराम के अनुसार किसे मोल लिया गया है?

बलराम के अनुसार कृष्ण को मोल लिया गया है ।

8. बालकृष्ण का रंग कैसा था?

बालकृष्ण का रंग काला था ।

II. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नहीं जाना चाहता?

भाई बलराम कृष्ण को बहुत चिढाता था कि यशोदा ने उसे जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है । उसके माता पिता कौन हैं? उसका रंग काला क्यों है? इसी गुस्से के कारण कृष्ण बलराम के साथ खेलने नहीं जाना चाहता था ।

2. बलराम कृष्ण के माता -पिता के बारे में क्या कहता है?

बलराम कृष्ण के माता- पिता के बारे में कहता है कि- उसके माता -पिता कौन है ? नंद और यशोदा तो गोरे हैं पर कृष्णा का रंग क्यों काला है ? माता पिता ने उसे मोल लिया है ।

3. कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति क्यों नाराज़ है?

कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति इसलिए नाराज़ है कि-माँ ने केवल कृष्ण को ही मारना सीखा है । वह भाई पर कभी गुस्सा नहीं करती है ।

4. बालकृष्ण अपनी माता से क्या-क्या शिकायतें करता है?

बालकृष्ण अपनी माता से शिकायत करता है कि-"मुझे भैया बहुत चिढ़ाता है। तू तुझे तो मोल लिया है । तु यशोदा का पुत्र नहीं है । तुम्हारे माता-पिता कौन हैं? नंद यशोदा तो गोरे हैं, तू काला क्यों है।मां, तू केवल मुझे ही मारती हो, भैया बलराम को तो डाँटती तक नहीं हो । इसकी हंसी -मजाक सुनकर सब ग्वाल मित्र चुटकी बजाकर मुझ पर हँसते हैं।"

5. यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है?

यशोदा माता कृष्ण से कहती है कि -हे कृष्ण सुनो, बलराम जन्म से ही चुगलखोर है । मैं गोधन की कसम खाकर कहती हूं, मैं ही तेरी माता हूं और तुम ही मेरे पुत्र हो । इस प्रकार यशोदा कृष्ण की क्रोध को शांत करती है।

III. चार-छः वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. पद का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।

*कृष्ण अपनी माँ से शिकायत करता है कि भाई उसे बहुत चिढ़ाता है यशोदा माँ ने उसे जन्म नहीं दिया है बल्कि मोल लिया है ।

* इसी गुस्से के कारण कृष्ण बलराम के साथ खेलने नहीं जाता । वह बार बार कृष्ण से पूछता है कि उसके माता - पिता कौन हैं? नंद और यशोदा तो गोरे हैं लेकिन उसका रंग क्यों काला है? बलराम की एक ऐसी हंसी- मजाक सुनकर कृष्ण को सब ग्वाल मित्र चुटकी बजा-बजाकर हँसते हैं।

*उन्हें बलराम ने ही ऐसा करना सिखाया है।कृष्णा मासी कहता है कि मां सिर्फ उसी को ही मारना सीखी है।वह कभी भाई पर गुस्सा नहीं करती।

*कृष्ण के क्रोधित मुख और बातों को सुनकर यशोदा माता खुश हो जाती है । बालकृष्ण को समाधान करती है कि बलराम जन्म से ही चुगलखोर है । गोधन की कसम वही कृष्ण की माता और कृष्ण उसका पुत्र है ।

IV. पद्यभाग पूर्ण कीजिए:

1. गोरे नंद जसोदा गोरी, तुम कतस्याम सरीर ।
चुटकी दै दै हंसत ग्वाल, सब सिखै देते बलबीर ।।

2. सुनहु कान्ह बलभद्र चबाई, जनमत ही को धूत ।
'सूर'स्याम मोहिं गोधन की सौं, हौं माता तू पूत ।।

V. अनुरूपता:

1. बलभद्र	: बलराम	::कान्ह	:कृष्ण
2. जशोदा	:माता	::नंद	:पिता
3. रीझना	:मोहित होना	::खिजाना: चिढ़ाना	
4. बलबीर	:बलराम	:: जशोदा	: यशोदा

VI. जोड़कर लिखिए:

अ	ब
1. सूरदास का जन्म	सन 1540 को हुआ
2. सगुण भक्तिधारा की	कृष्ण भक्ति शाखा
3. उत्तर प्रदेश का रुनकता	सुर का जन्म स्थान
4. सूरदास जी की मृत्यु	सन 1642 को हुई

****

पाठ-15 कर्नाटक-संपदा

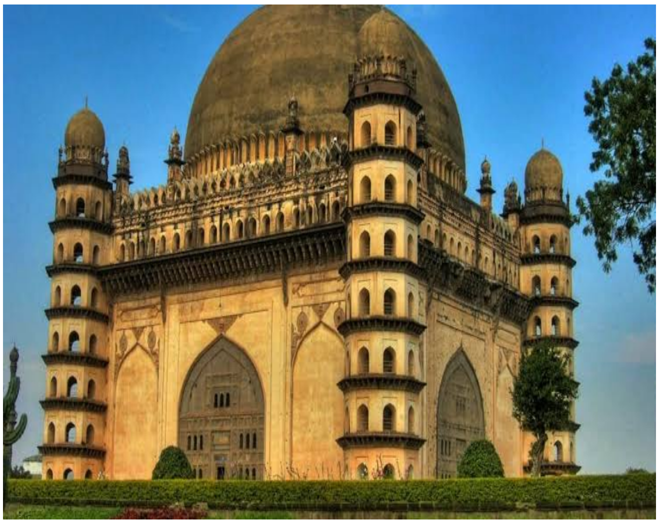

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. पश्चिमी घाट किसे कहते हैं?

दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं ।

2. कर्नाटक में कौन-कौन से जलप्रपात है?

जोग, अब्बी, गोकाक, शिवनसमुद्र कर्नाटक के जलप्रपात हैं ।

3. श्रवणबेलगोला की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊंचाई कितनी है?

श्रवणबेलगोला की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊंचाई 57 फुट ऊंची है ।

4. किस नगर को सिलिकॉन सिटी कहा जाता है?

बेंगलुरु नगर को सिलिकॉन सिटी कहा जाता है ।

5. भद्रावती के दो प्रमुख कारखानों के नाम लिखिए।

कागज़और लोहे भद्रावती के दो प्रमुख कारखाने हैं ।

6. सेंट फिलोमिना चर्च किस नगर में है?

सेंट फिलोमिना चर्च मैसूर में है ।

7. विजयपुरा नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान कौन -सा है?

विजयपुरा नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान गोलगुंबज़ है ।

8. अरबी समुद्र कर्नाटक की किस दिशा में है?

अरबी समुद्र कर्नाटक की पश्चिम दिशा में है ।

9. कर्नाटक की दक्षिण दिशा में कौन -सी पर्वतमालाएँ शोभायमान हैं?

कर्नाटक की दक्षिण दिशा में नीलगिरि की पर्वतावलियाँ शोभायमान है।

II. दो तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ और जलप्रपात कौन- कौन से हैं?

कावेरी, कृष्णा, तुंगभद्रा कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ हैं । जोग, अब्बी, गोकाक, शिवनसमुद्र जलप्रपात है।

2. कर्नाटक के किन साहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ है?

कुवेम्पु, द.रा. बेंद्रे, शिवराम कारंत, मास्ती वेंकटेश अय्यंगार, वि.कृ. गोकाक, अनंतमूर्ति, गिरीश कार्नाड और चंद्रशेखर कंबार यह कर्नाटक के ज्ञानपीठ पुरस्कार साहित्यकार हैं।

3. बाँध और जलाशयों के क्या उपयोग हैं?

*नदियों पर बाँध बनाये जाने से हजारों एकड़ जमीन सिंची जा सकता है ।

*जलाशयों से ऊर्जा (बिजली) उत्पादन किया जा सकता है।

4. कर्नाटक की कुछ प्रमुख राजवंशों के नाम लिखिए।

गंग, कदंब, राष्ट्रकूट, चालुक्य, होयसल, ओडेयर यह कर्नाटक के कुछ प्रमुख राजवंश है।

5. बेंगलुरु में कौन-कौन सी बृहत् संस्थाएँ हैं?

बेंगलुरु में भारतीय विज्ञान संस्थान, एच.ए.एल., एच.एम.टी., आई.टी.आई., बी.एच.ई.एल., बी.ई.एल जैसी बृहत संस्थाएँ हैं।

III. चार- पांच वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. कर्नाटक की प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

*कर्नाटक की प्राकृतिक सौंदर्य नयन मनोहर है। पश्चिमी विशाल अरबी समुद्र लहराता है।

*इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिमी घाट कहते हैं।

*इन्हीं घाटों का कुछ भाग सहयाद्री कहलाता है। दक्षिण में नीलगिरि की पर्वत बलिया शोभायमान हैं।

2. कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए।

*कर्नाटक की शिल्पकला अनोखी है। बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लू में जो मंदिर हैं, उनकी शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत हैं।

*बेलूर, हलेबिडु तथा सोमनाथपुर के मंदिरों की मूर्तियाँ सजीव लगती हैं । यह मूर्तियाँ हमें रामायण, महाभारत तथा पुराणों की कहानियाँ सुनाती है।

*श्रवणबेलगोला की 57 फुट ऊंची गोमटेश्वर की प्रतिमा दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है ।

*विजयपुर का गोलगुंबाज, मैसूर का राजमहल, प्राचीन सेंट फिलोमिना चर्च आदि स्थान अत्यंत आकर्षणीय हैं।

3. कन्नड़ भाषा तथा संस्कृति को कर्नाटक के साहित्यकारों की क्या देन है?

*कर्नाटक की अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी है । वचनकार बसवण्णा समाज सुधारक थे । अक्कमहादेवी, अल्लमप्रभु, सर्वज्ञ जैसे अनेक संतों ने अपने अनमोल 'वचनों' द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है।

* पुरंदरदास, कनकदास आदि भक्त कवियों ने भक्ति, नीति, सदाचार के गीत गाये हैं।

*पंपा, पोन्ना, कुमारव्यास, हरिहर, राघवांक आदि ने महान् काव्यों की रचना कर कन्नड़ साहित्य को समृद्ध बनाया है।

IV. कोष्टक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए:

(गंग, त्याग, पुराण, वैभव, कीर्ति, साबुन, चंदन, शांति)

1. कर्नाटक को चंदन का आगार कहते हैं।

2. गोमटेश्वर की प्रतिमा दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है।

3. मैसूर का राजमहल कर्नाटक के वैभव का प्रतीक है।

4. कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलायी है।

V. कन्नड़ या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए:

1. कर्नाटक में कन्नड़ भाषा बोली जाती है और इसकी राजधानी बेंगलुरु है।

ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆ ಮಾತನಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು ಆಗಿದೆ.

2. कर्नाटक में चंदन के पेड़ विपुल मात्रा में हैं।

ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಶ್ರೀಗಂಧದ ಮರಗಳು ಹೆಚ್ಚಿನ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿವೆ.

3. जगनमोहन राजमहल का पुरातत्व वस्तु संग्रहालय अत्यंत आकर्षणीय है।

ಜಗನಮೋಹನ ಅರಮನೆಯ ಪ್ರಾಚೀನ ವಸ್ತುಸಂಗ್ರಹಾಲಯ ಅತ್ಯಂತ ಆಕರ್ಷಕವಾಗಿದೆ.

4. वचनकार बसवण्णाक्रांतिकारी समाज सुधारक थे।

ವಚನಕಾರ ಬಸವಣ್ಣ ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕರಾಗಿದ್ದರು.

VI. विलोम शब्द लिखिए:

1.सुंदर x कुरुप
2. विदेश x स्वदेश
3.आदि x अंत
4.सजीव x निर्जीव
5.सदाचार x दुराचार
6.आयात x निर्यात

VII. उदाहरण के अनुसार बहुवचन रूप बनाना सीखिए:

उदा: संधि- संधियाँ

1. मूर्ति- मूर्तियाँ
2. उपलब्धि- उपलब्धियाँ
3. कृति- कृतियाँ
4. नीति- नीतियाँ
5 संस्कृति –संस्कृतियाँ
6. पद्धति पद्धतियाँ

VIII. विच्छेद का संधि का नाम लिखिए:

1. दिग्गज=दिक्+अज (व्यंजन संधि)
2. पर्वतावली=पर्वत+आवली (दीर्घ संधि)
3. संग्रहालय=संग्रह+आलय (दीर्घ संधि)
4. जलाशय=जल+आशय (दीर्घ संधि)
5. जगनमोहन=जगत्+मोहन (व्यंजन संधि)
6. सदाचार=सत्+आचार (व्यंजन संधि)
7. अत्यंत=अति+अंत (यण् संधि)

IX. विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए:

1. देश-विदेश=देश और विदेश (द्वंद्व समास)
2. जलप्रपात=जल से प्रपात (तत्पुरुष समास)
3. राजवंश=राजा का वंश (तत्पुरुष समास)
4. राजमहल=राजा का महल (तत्पुरुष समास)

X. अनुरूपता:

1. दक्षिण से उत्तर के छोर की पर्वतमाला: पश्चिमी घाट:: दक्षिण की पर्वतवलियां : नीलगिरि
2. कर्नाटक :चंदन का आगार :: बेंगलुरु: सिलिकॉन सिटी
3. सी.वी. रामन: नोबेल पुरस्कृत:: सर. एम. विश्वेश्वरैया: भारत रत्न पुरस्कृत
4. भद्रावती: लोहे और इस्पात:: मैसूरु: राजमहल
5. कावेरी: नदी ::जोग :जलप्रपात
6. बेलूरु: शिल्पकला :: गोल गुंबज: वास्तु कला
7. सेंट फिलोमिना: चर्च :: जगनमोहन राजमहल: वस्तु संग्रहालय
8. कृष्णदेवराय: शासक:: राष्ट्रकूट :राजवंश
9. बसवण्णा: वचनकार:: कनकदास: भक्त कवि
10. पंपा: प्राचीन कवि :: कंबार:आधुनिक कवि

****

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

पाठ -16 बाल-शक्ति

-जगतराम आर्य

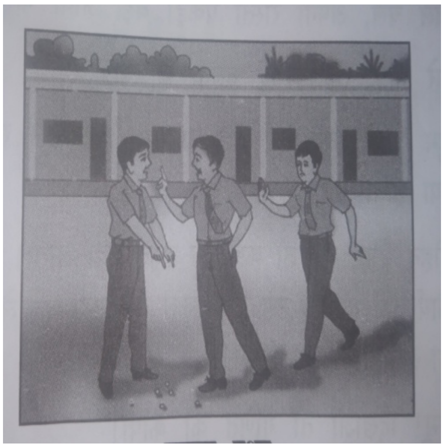 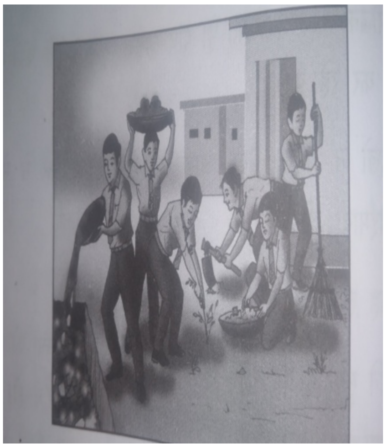 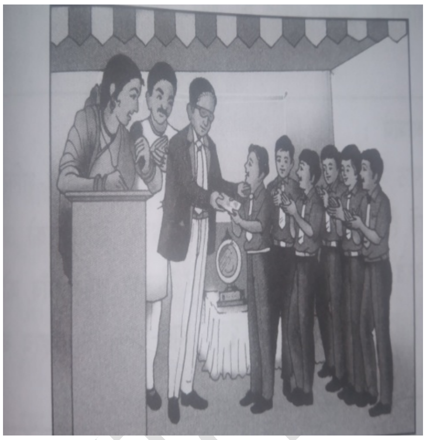

I. एक वाक्य में उत्तर लिखिए:

1. कौन-कौन कंचे खेल रहे थे?

रामू और श्यामू कंचे खेल रहे थे ।

2. खेल में कौन सदा बेईमानी करता है?

खेल में सदा रामू बेईमानी करता है ।

3. रामू को स्कूल जाने के लिए कौन कहता है?

रामू को स्कूल को जाने के लिए मोहन कहता है ।

4. रामू ने किस विषय का गृह-कार्य नहीं किया था?

रामू ने गणित विषय का गृह-कार्य नहीं किया था ।

5. हमें किस उम्र में अच्छी आदतें डालनी है?

12 साल की उम्र में अच्छी आदतें डालनी है ।

6. रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी किसने ली?

रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी संजय ने ली ।

7. टोली का मुखिया कौन बना?

टोली का मुखिया मोहन बना ।

8. बच्चों की तारीफ किसने की?

बच्चों की तारीफ कलेक्टर ने की ।

II. दो तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. रामू में कौन-कौन सी बुरी आदतें थी?

रामू खेल में सदा बेईमानी करता है । वह बात बात में झूठ बोलता है। कई दिनों तक स्कूल नहीं जाता है ।

2. गाँव की सफाई के लिए बालक क्या काम करते हैं?

*रोज एक घंटा गाँव की सफाई में लगना । गड्ढे में मिट्टी से भाँपना।

*कूड़ा डालने के लिए एक निश्चित जगह बनाना । गाँव के चारों तरफ पेड़ पौधे लगाने का काम करते हैं।

3. गांव को आदर्श गाँव कैसे बनाया जा सकता है?

*बच्चों को स्कूल जाने का प्रेरणा और व्यवस्था करना । गाँव को साफ सुथरा रखना।

*गाँव को हरा-भरा रखने के लिए गाँव के चारों तरफ पेड़ पौधे लगाकर बाल शक्ति के कारण एक आदर्श गाँव बना सकते हैं।

4. कलेक्टर साहब ने बच्चों की बड़ाई मे क्या कहा?

इस गाँव को साफ-सुथरा देखकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हुई है।
गाँव को एक नया जीवन प्रदान किया गया है। इन बच्चों की जितनी बड़ाई की जाए उतनी ही थोड़ी है। इन सब ने मिलकर गाँव को स्वच्छ वातावरण दिया है। बाल शक्ति के कारण आपका गांव एक आदर्श गाँव बन गया है।

5. पाँच हज़ार रुपयें मिलने पर मोहन क्या सोचता है?

पाँच हज़ार रुपयें मिलने पर ये रुपये हम प्रधानाध्यापक जी को दे देंगे। स्कूल के पुस्तकालय में गरीब बच्चों के लिए हम पुस्तकों का प्रबंध करेंगे।

III. मिलान कीजिए:

1. बेईमानी करनेवाला	रामू
2. टोली का नाम	बाल शक्ति
3. इनाम के रुपये	पांच हज़ार
4. टोली का मुखिया	मोहन
5. यह गाँव के सपूत हैं	बुजुर्ग

IV. खाली जगह भरिए:

1. रामू और श्यामू कंचे खेल रहे थे।
2. गणित की कॉपी घर पर बुलाया हूँ।
3. अभी से अच्छी आदतें डालनी चाहिए।
4. रामू की गंदी आदतें छोड़वाएंगे।
5. रोज एक घंटा गाँव की सफाई में लगाएंगे।
6. कूड़ा डालने के लिए एक निश्चित जगह बनाएंगे।
7. आपका गाँव एक आदर्श गांव बन गया है।

V. विलोम शब्द लिखिए:

उदा: अपना	x	पराया
1. रात	x	दिन
2. आदि	x	अंत
3. आयात	x	निर्यात
4. आय	x	व्यय
5. उल्टा	x	सीधा
6. हानि	x	लाभ
7. तोड़	x	जोड़
8. थोड़ा	x	ज्यादा
9. उतार	x	चढ़ाव

****

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

पाठ-17 कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती

-सोहनलाल द्विवेदी

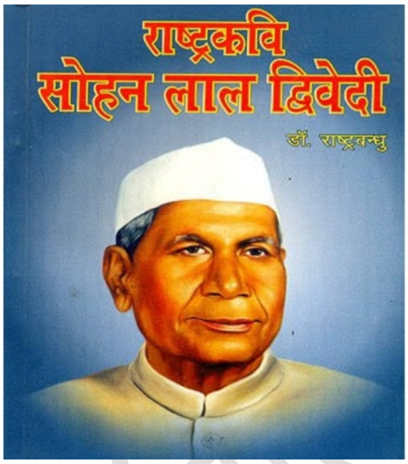

I. एक वाक्य में लिखिए:

1. किससे डरकर नौका पार नहीं होती?

लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती ।

2. किन की हार नहीं होती है?

कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती है ।

3. दाना लेकर कौन चलती है?

नन्ही चींटी दाना लेकर चलती है।

4. चिंटी कहां चढ़ती है?

चिंटी दीवार पर चढ़ती है ।

5. किसकी मेहनत बेकार नहीं होती?

चिंटीकी मेहनत बेकार नहीं होती ।

6. सागर में डुबकियां कौन लगाता है?

सागर में डुबकियां गोताखोर लगाता है ।

7. मोती कहां मिलता है?

मोती सागर में गहरे पानी में मिलता है ।

8. किसकी मुट्ठी खाली नहीं होती?

कोशिश करनेवालों की कभी मुट्ठी खाली नहीं होती ।

9. कहां से भागना नहीं चाहिए?

संघर्ष के मैदान से भागना नहीं चाहिए ।

10. कुछ किये बिना ही क्या नहीं होती है?

कुछ किए बिना ही जय -जयकार नहीं होती है ।

II. दो तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए:

1. चिंटी के बारे में कवी क्या कहते हैं?

*चिंटी जब दाना लेकर चलती है तो दीवार पर चढ़ते हुए सौ बार फिसलती है।

*लेकिन फिर भी वह हार नहीं मानती।आखिर में वह सफल होती है।

2. गोताखोर के बारे में कवी के विचार क्या हैं?

*गोताखोर कई बार डुबकियाँ लगाने पर भी खाली हाथ लौट आता है ।

*लेकिन उसका साहस दुगना हो जाता है । उसकी मुट्ठी में मोती अवश्य आते हैं ।

3. असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि क्या संदेश देते हैं?

असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि का यह कहना है कि असफलता एक चुनौती है उसे स्वीकार करें।साहस और विश्वास के साथ उसका सामना करें।जब तक सफलता हासिल न हो तब तक कोशिश करनी चाहिए ।

III. जोड़कर लिखिए:

1. लहर नौका
2. चिंटी दाना
3. गोताखोर डुबकियाँ
4. असफलता चुनौती
5. कमी सुधार

IV. भावार्थ लिखिए:

नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना ना अखरता है।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करनेवालों की कभी हार नहीं होती।

प्रस्तुत पंक्तियों में कवी यह कहना चाहते हैं कि नन्ही चींटी दाना लेकर जब दीवार पर चढ़ने का प्रयास करती है तब सौ बार फिसलती है, मगर वह हार नहीं मानती।लगातार कोशिश करती रहती है और दीवार पार कर जाती है। ठीक उसी प्रकार हमें जीवन में आनेवाले संघर्ष से डर कर भागना नहीं चाहिए।लगातार प्रयासों के साथ मुकाबला कर जीत हासिल करनी चाहिए।

V. अनुरूपता:

1. मेहनत : परिश्रम :: कोशिश : प्रयास
2. चढ़ना : उतरना:: हारना :जीतना
3. स्वीकार : इंकार :: चैन : बेचैन
4. सिंधु : समुद्र :: हाथ : हस्त

****

पूरक वाचन

1.शनि : सबसे सुंदर ग्रह

- गुणाकर मुले

I. उत्तर लिखिए:

1. सौर-मंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन-सा है?

बृहस्पति (गुरु) सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह है।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

2. सौरमंडल में शनि ग्रह का स्थान क्या है?

शनि सौरमंडल का सबसे बड़ा दूसरा ग्रह है।

3. पृथ्वी और सूर्य में कितना फासला है?

पृथ्वी और सूर्य में करीब 15 करोड़ किलोमीटर की दूरी पर है।

4. शनि किसका पुत्र है?

शनि सूर्य का पुत्र है।

5. शनै:चर का अर्थ क्या है?

शनै:चर का अर्थ है धीमी गति से चलने वाला।

6. सूर्य का एक चक्कर लगाने में शनि को कितना समय लगता है?

सूर्य का एक चक्कर लगाने में शनि को 30 वर्ष लगता है।

7. शनि एक राशि में कितने सालों तक रहता है?

एक राशि में करीब ढाई साल तक रहता है।

8. बहुत कम सूर्यताप किस ग्रह पर होता है?

बहुत कम सूर्यताप शनि ग्रह पर होता है।

9. शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है?

शनि का निर्माण हाइड्रोजन, हिलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से हुआ है।

10. सौर-मंडल का सबसे बड़ा उपग्रह कौन -सा है?

गैनीमीड उपग्रह सौर-मंडल का सबसे बड़ा उपग्रह है।

11.शनि सौर-मंडल का सबसे सुंदर ग्रह कैसे ? स्पष्ट कीजिए।

*शनि को यदि दूरबीन से देखा जाये, तो इस ग्रह के चारो ओर वलय(गोल) दिखाई देते हैं।

*प्रकृति ने शनि ग्रह के गले में खूबसूरत हार डाल दिये हैं।

*शनि के इन वलयों या कंकणों ने इस ग्रह को सौर-मंडल का सबसे सुंदर एवं मनोहर ग्रह बनाया है।

12. शनि एक अत्यन्त ठंडा ग्रह कैसे? स्पष्ट कीजिए।

*शनि ग्रह सूर्य से पृथ्वी की अपेक्षा करीब दस गुना अधिक दूर है, इसलिए बहुत कम सूर्यताप उस ग्रह तक पहुँचता है- पृथ्वी का मात्र सौवाँ हिस्सा।

*इसलिए शनि के वायुमंडल का तापमान शुन्य के नीचे 150° सेंटीग्रेड के आसपास रहता है।

* शनि एक अत्यन्त ठंडा ग्रह है।

****

2.सत्य की महिमा

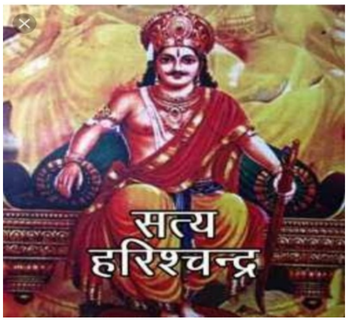

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

1. 'सत्य' क्या होता है? उसका रूप कैसे होता है?

सत्य ! बहुत भोला-भाला बहुत ही सीधा-सादा ! जो कुछ भी अपनी आंखों से देखा, बिना नमक -मिर्च लगाए बोल दिया- यही तो सत्य है ।कितना सरल ! सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है, ज्ञान की प्रतिलिपि है, आत्मा की वाणी है ।

2. झूठ का सहारा लेते हैं तो क्या-क्या सहना पड़ता है?

एक झूठ साबित करने के लिए हजारों झूठ बोलने पड़ते हैं।और, कहीं पोल खुली तो मुंह काला करना पड़ता है, अपमानित होना पड़ता है।

3. शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया गया है?

'सत्यं'ब्रूयात, प्रियंब्रूयात, नब्रूयातसत्यमप्रियम्', अर्थात, 'सच बोलो जो दूसरों को प्रिय लगे, अप्रिय सत्य मत बोलो।

4. "संसार के महान व्यक्तियों ने सत्य का सहारा लिया है"- सोदाहरण समझाइए ।

राजा हरिश्चंद्र की सत्यनिष्ठा विश्वविख्यात है । उन्हें सत्य के मार्ग पर चलते अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा । राजा दशरथ ने सत्य वचन निभाने के लिए अपने प्राण त्याग दिए।महात्मा गांधी ने सत्य की शक्ति से ही विदेशी शासन को झकझोर दिया ।

5. महात्मा गांधी का सत्य की शक्ति के बारे में क्या कथन है?

"सत्य एक विशाल वृक्ष है । उसका जितना आदर किया जाता है, उतने ही फल उसमें लगते हैं । उनका अंत नहीं होता।"

6. झूठ बोलनेवालों की हालत कैसी होती है ?

कभीकभी- झूठ बोल देने से कुछ क्षणिक लाभ अवश्य होता है, पर उससे अधिक हानि ही होती है।क्षणिक लाभ विकास के मार्ग के लिए बाधा बन जाता है।व्यक्तित्व कुंठित होता है झूठ बोलनेवाले से लोगों का विश्वास उठ जाता है।उनकी उन्नति के द्वार बंद हो जाते हैं ।

7. हर स्थिति में सत्य बोलने का अभ्यास क्यों करना चाहिए?

सत्य वहां चिनगारी है जिससे असत्य पल भर में भस्म हो जाता है।अतहर हमें हर स्थिति में सत्य बोलने का अभ्यास करना चाहिए ।

****

3. नागरिक के कर्तव्य

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

1. मीना मैडम ने कितने दिनों के कार्यशिबिर का आयोजन किया था?

मीना मैडम ने 15 दिवसीय कार्यशिबिर का आयोजन किया था ।

2. संभाषण का विषय क्या था?

'कौशल विकासन' संभाषण का विषय था ।

3. अकुल ने मीना मैडम से क्या कहा?

एक नागरिक की हैसियत से हमें अपने देश के राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय त्योहार आदि का आदर करना चाहिए ।

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

4. सलमा ने क्या कहा?

*प्रकृति हमारी माता है। इसलिए हमें प्राकृतिक संसाधनों का अपव्यय करना नहीं चाहिए।
*अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना अभी हमारा दायित्व है।

5. अन्वर ने मीना मैडम से क्या कहा?

समस्त देशवासियों के प्रति भाई-चारे का भाव रखना और जाति, धर्म, भाषा, प्रदेश, वर्ग पर आधारित सभी भेद-भावों से दूर रहना चाहिए।

6. मीना मैडम ने छात्रों से अंत में क्या कहा?

आज के बच्चे कल के नागरिक हैं। विद्यार्थियों ! आज से, नहीं नहीं; अब से ही आप इन कर्तव्यों का पालन करना शुरू करो।इससे आपका ही तो होगा ही, देश का कल्याण भी होगा।

****

व्याकरण विभाग

विलोम शब्द

खरीदना	x	बेचना
अच्छा	x	बुरा
पास	x	दूर
गरीब	x	अमीर
साफ	x	गंदा
सुबह	x	शाम
बहुत	x	कम
सहयोग	x	असहयोग
आगे	x	पीछे
मुश्किल	x	आसान
सरल	x	कठिन
सदाचार	x	दुराचार
थोड़ा	x	ज्यादा
बेईमान	x	ईमानदार
वरदान	x	अभिशाप
चैन	x	बेचैन
भीतर (अंदर)	x	बाहर
चढ़ना	x	उतरना
बुद्धिमान	x	बुद्धिहीन
गुण	x	निर्गुण
हार	x	जीत
अपना	x	पराया

वचन

एकवचन		बहुवचन
गमला	-	गमले
चीज़	–	चीज़ें
दूकान	–	दूकानें
आँख	–	आँखें
किताब	–	किताबें
नौका	–	नौकाएँ
पैसा	–	पैसे
कमरा	–	कमरे
उँगली	-	उँगलियाँ
जानकारी	–	जानकारियाँ
दायरा	–	दायरे
सड़क	–	सड़कें
रीति	–	रितियाँ
पुस्तक	–	पुस्तकें
प्रती	-	प्रतियाँ
कहानी	–	कहानियाँ
कक्षा	–	कक्षाएँ
लिफाफा	–	लिफाफ़े
कपड़ा	–	कपड़े
बात	–	बातें
घर	–	घर
पेड़	-	पेड़
फल	-	फल
बच्चा	-	बच्चे

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

लिंग

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
लड़का	लड़की
आदमी	औरत
युवक	युवती
पुरुष	महिला
मालिक	मालकिन
अध्यापक	अध्यापिका
शिक्षक	शिक्षिका
बेटा	बेटी
पिता	माता
पुत्र	पुत्री
छात्र	छात्रा
लेखक	लेखिका
कवि	कवयित्रि
बालक	बालिका
मोर	मोरनी
हाथी	हथिनी
शेर	शेरनी
कुत्ता	कुतिया
बैल	गाय
भाई	बहन
नर	नारी
श्रीमान	श्रीमती

प्रेरणार्थक क्रिया रूप

धातु	क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया रूप
लिख	लिखना	लिखाना	लिखवाना
चल	चलना	चलाना	चलवाना
देख	देखना	दिखाना	दिखवाना
भेज	भेजना	भिजाना	भिजवाना
सो	सोना	सुलाना	सुलवाना
धो	धोना	धुलाना	धुलवाना
सी	सीना	सिलाना	सिलवाना
सीख	सीखना	सिखाना	सिखवाना
माँग	माँगना	मँगाना	मँगवाना
बाँट	बाँटना	बँटाना	बँटवाना
जीत	जीतना	जिताना	जितवाना
दे	देना	दिलाना	दिलवाना
सुन	सुनना	सुनाना	सुनवाना
कर	करना	कराना	करवाना
बैठ	बैठना	बिठाना	बिठवाना
दौड	दौडना	दौडाना	दौडवाना
पढ़	पढ़ना	पढ़ाना	पढ़वाना
खा	खाना	खिलाना	खिलवाना
पी	पीना	पिलाना	पिलवाना

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

कारक

क्र.सं.	कारक	चिह्न
1	कर्ता कराक	ने
2	कर्म कारक	को
3	करण कारक	से
4	संप्रदान कारक	के लिए के द्वारा के वास्ते
5	अपादान कारक	से
6	संबंध कारक	का के की
7	अधिकरण कारक	में पर
8	संबोधन कारक	अरे, हे, ओ,हो, वाह

विराम चिह्न

क्र.सं.	विराम चिह्न का नाम	चिह्न
1	अल्प विराम	,
2	अर्ध विराम	;
3	पूर्ण विराम	।
4	प्रश्न चिह्न	?
5	भावसूचक विस्मयादिबोधक चिह्न	!
6	योजक चिह्न	-
7	उद्धरण चिह्न	“ ”
8	कोष्टक चिह्न	( )
9	विवरण चिह्न	:- :

संधि

दीर्घ संधि	गुण संधि	वृद्धि संधि	यण संधि	अयादि संधि	व्यंजन संधि	विसर्ग संधि
सहानुभूति	परमेश्वर	एकैक	अत्यंत	नयन	दिग्गज	निश्चय
समानाधिकार	गजेंद्र	सदैव	अत्यधिक	नायक	अजंत	निष्कपट
कविंद्र	वार्षिकोत्सव	मतैक्य	प्रत्युपकार	भवन	वाग्जाल	नीरस
गिरीश	महोत्सव	परमौज	मन्वंतर	पावन	तद्रूप	दुर्गंध
वधूत्सव	परोपकार	वनौषध	स्वागत	नाविक	षड्दर्शन	मनोरथ
पितृण	महर्षि	महौजस्वी	पित्राज्ञा	रसायन	सज्जन	पुरोहित

समास

अव्ययीभाव समास	कर्मधारय समास	तत्पुरुष समास	द्विगु समास	द्वंद्व समास	बहुव्रीहि समास
आजन्म	पीतांबर	जलप्रताप	सतसई	पाप-पुण्य	घनश्याम
बेखटके	नीलकंठ	जलधारा	त्रिधारा	सुख-दुख	लंबोदर
भरपेट	कनकलता	ग्रंथकार	पंचवटी	देश-विदेश	चक्रपाणि
यथासंभव	चंद्रमुख	देशभक्ति	शताब्दी	दाल-रोटी	त्रिनेत्र
अनजाने	करकमल	प्रेमसागर	चौराहा	भला-बुरा	दशानन

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय

रचना भाग

निबंध

1.स्वच्छ भारत अभियान

* प्रस्तावना

अपने प्रधानमंत्री बनने के बाद माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने गांधी जयंती के अवसर पर 02 अक्टूबर 2014, को इस अभियान का आगाज़ किया था। भारत को स्वच्छ करने की परिवर्तन कारी मुहिम चलाई थी। भारत को साफ-सुथरा देखना गांधी जी का सपना था। गांधी जी हमेशा लोगों को अपने आस-पास साफ-सफाई रखने को बोलते थे।स्वच्छ भारत के माध्यम से विशेषकर ग्रामीण अँचल के लोगो के अंदर जागरूकता पैदा करना है कि वो शौचालयों का प्रयोग करें, खुले में न जाये। इससे तमाम बीमारियाँ भी फैलती है। जोकि किसी के लिए अच्छा नहीं है।

*स्वच्छ भारत अभियान की जरुरत

इस मिशन की कार्यवाही निरंतर चलती रहनी चाहिये। भौतिक, मानसिक, सामाजिक और बौद्धिक कल्याण के लिये भारत के लोगों में इसका एहसास होना बेहद आवश्यक है। ये सही मायनों में भारत की सामाजिक स्थिति को बढ़ावा देने के लिये है, जो हर तरफ स्वच्छता लाने से शुरु किया जा सकता है। यहाँ नीचे कुछ बिंदु उल्लिखित किये जा रहे है जो स्वच्छ भारत अभियान की आवश्यकता को दिखाते है।

*ये बेहद जरुरी है कि भारत के हर घर में शौचालय हों, साथ ही खुले में शौच की प्रवृति को भी खत्म करने की आवश्यकता है।

*नगर निगम के कचरे का पुनर्चक्रण और दुबारा इस्तेमाल, सुरक्षित समापन, वैज्ञानिक तरीके से मल प्रबंधन को लागू करना।

*खुद के स्वास्थ्य के प्रति भारत के लोगों की सोच और स्वभाव में परिवर्तन लाना और साफ-सफाई की प्रक्रियों का पालन करना।

*ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में वैश्विक जागरुकता लाने करने के लिये और सामान्य लोगों को स्वास्थ्य से जोड़ने के लिये।

*इसमें काम करने वाले लोगों को स्थानीय स्तर पर कचरे के निष्पादन का नियंत्रण करना, खाका तैयार करने के लिये मदद करना।

*पूरे भारत में साफ-सफाई की सुविधा को विकसित करने के लिये निजी क्षेत्रों की हिस्सेदारी को बढ़ाना।

भारत को स्वच्छ और हरियाली युक्त बनाना।

*ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना।

*स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से समुदायों और पंचायती राज संस्थानों को निरंतर साफ-सफाई के प्रति जागरुक करना।

* उपसंहार

हालांकि इस अभियान की कार्यावधि अब समाप्त हो गयी है फिर भी इस अभियान ने लोगो के दिलो में स्वछता की वो मशाल जला दी है जो अब बुझने वाली नहीं है, यदि **हम सब स्वच्छ भारत अभियान को अपने जीवन का एक**

हिस्सा बना ले तो वो दिन दूर नहीं जब भारत का सिर्फ एक शहर ही नहीं अपितु संपूर्ण भारत स्वच्छ हो जायेगा, इस प्रकार **स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत** का सपना भी सच हो जायेगा।

2.पर्यावरण बचाओ

* प्रस्तावना

हमारे पूरे परिवेश और जीव जगत जिसमें हवा, पानी और सूर्य का प्रकाश आदि भी शामिल है, इसके अलावा विकास और वृद्धि में अपना योगदान देने वाले जीवित जीव जैसे कि पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, मनुष्य आदि साथ मिलकर पर्यावरण का निर्माण करते है।

* पर्यावरण संरक्षण का महत्व

आज के औद्योगिक और शहरी क्षेत्र के पर्यावरण में पक्की सड़के, कई मंजिला कंक्रीट के इमारत और गगनचुंबी इमारते भी शामिल है।

*इनका मुख्य मकसद बढ़ती आबादी के लिए सुविधाएं तैयार करना तथा धनी और संभ्रांत वर्ग के जीवन को सुविधा और विलासतापूर्ण बानना है।

हालांकि, इस औद्योगिक और शहरी आंदोलन के बावजूद भी प्राकृतिक संसाधनो पर मनुष्य की निर्भरता पहले के ही भांति बनी हुई है। हमारे द्वारा श्वसन के लिए वायु का इस्तेमाल किया जाता है, पीने तथा अन्य दैनिक कार्यो के लिए पानी का इस्तेमाल किया जाता है सिर्फ इतना ही नही जो भोजन हम खाते है वह भी कई प्रकार के पेड़-पौधो, पशु-पक्षीओं और सब्जियो, दूध, अंडो आदि से प्राप्त होता है। इन आवश्यकताओ को ध्यान में रखते हुए इन संसाधनो की सुरक्षा बहुत ही जरुरी हो गई है। इन संसाधनो को इस प्रकार से वर्गीकृत किया गया है।

*** नवकरणीय संसाधनः** जैसा कि इसके नाम से ही पता चलता है कि यह वह संसाधन है, जिन्हे प्राकृतिक रुप से पुनः प्राप्त किया जा सकता है, जैसे कि वर्षा और पेड़-पौधो की पुनः वृद्धि आदि। हालांकि यदि इसी प्रकार प्रकृति के पुनः आपूर्ति के पहले ही इनका से तेजी से इनका उपभोग होता रहा तो आने वाले समय में रबर, लकड़ी, ताजा पानी जैसे यह वस्तुएं पूर्ण रुप से समाप्त हो जायेंगी।

***गैर-नवकरणीय संसाधनः** यह संसाधन लाँखो वर्षो पूर्व जमीन के अंदर निर्मित हुए है, इसलिए इनकी पुनः प्राप्ति संभव नही है। इनका सिर्फ एक बार ही उपयोग किया जा सकता है। इसके अंतर्गत जीवाश्म ईंधन जैसे कि कोयला और तेल आदि आते है, जिन्हे फिर से नवीकृत नही किया जा सकता है।

* पर्यावरण को बचाने के उपाय

इतिहास के पन्नो को पलटने पे पता चलता है कि हमारे पूर्वज पर्यावरण संरक्षण को लेकर हमसे कही ज्यादे चिंतित थे। इसके लिए हम सुंदरलाल बहुगुणा को मिसाल के तौर पर देख सकते है, जिन्होने वन्य संसाधनो के सुरक्षा के लिए चिपको आंदोलन की शुरुआत की थी। ठीक इसी प्रकार मेधा पाटेकर ने जनजातीय लोगो के लिए पर्यावरण सुरक्षा के प्रभावी प्रयास किए थे, जो कि नर्मदा नदी पर बन रहे बांध से नकरात्मक रुप से प्रभावित हुए थे। आज के समय में एक युवा के रुप में यह हमारा दायित्व है कि पर्यावरण सुरक्षा के लिए हम भी इसी तरह के प्रयास करे। कुछ छोटे-छोटे उपायो द्वारा हम प्रकृति को बचाने में अपना सहयोग दे सकते है:

*हमे 3 आर(3R) के धारणा को बढ़ावा देना चाहिए, जिसके अंतर्गत रेड्यूज़, रीसायकल रीयूज जैसे कार्य आते है। जिसमें हम गैर नवकरणीय ऊर्जा के स्त्रोतो के अधिक उपयोग को कम करके जैसे कि लोहा बनाने के लिए लोहे के कचरे का इस्तेमाल करना जैसे उपाय कर सकते है।

*ऊर्जा बचाने वाले ट्यूब लाइट और बल्ब आदि उत्पादो का उपयोग करना।

*पेपर और लकड़ी का कम उपयोग करना जितना ज्यादे हो सके ई-बुक और ई-पेपर का इस्तेमाल करना।

*जीवाश्म ईंधन का उपयोग कम से कम करना कही आने-जाने के लिए पैदल, कार पूल या सार्वजनिक परिवाहन जैसे उपायो का उपयोग करना।

*प्लास्टिक बैग के जगह जूट या कपड़े के बैग का इस्तेमाल करना।

*पुनरुपयोग की जा सकने वाली बैटरियों और सोलर पैनलो का उपयोग करना।

*रसायनिक उर्वरको का उपयोग कम करना और गोबर से खाद बनाने के लिए कम्पोस्ट बिन की स्थापना करना।

* निष्कर्ष

इस समय सबसे महत्वपूर्ण यह है कि हमें इन संसाधनो के दुरुपयोग को रोकना होगा और बहुत ही विवेकपूर्ण तरीके से इनका उपयोग करना होगा, क्योकि पृथ्वी द्वारा इनके इतने तेजी से हो रहे उपयोग को अब और नही बर्दाश्त किया जा सकता है। इस लक्ष्य की प्राप्ति सिर्फ सतत विकास के द्वारा ही संभव है। इसके अलावा उद्योग ईकाईयों द्वारा तरल और ठोस सह-उत्पाद जो कि कचरे के रुप में फेक दिए जाते है इनके भी नियंत्रण की आवश्यकता है, क्योंकि इनके कारण प्रदूषण बढ़ता है। जिससे की कैसंर और पेट तथा आंत से जुड़ी कई बीमारियां उत्पन्न होती हैं। यह तभी संभव है जब हम सरकार के ऊपर निर्भरता छोड़कर व्यक्तिगत रुप से इस समस्या के समाधान के लिए जरुरी कदम उठायें

3.इंटरनेट

* प्रस्तावना

'इंटरनेट' शब्द को आज सभी लोग जानते हैं। बच्चे हों या बड़े सभी लोग इसका प्रयोग करना अच्छी तरह से जानते हैं। अगर सही अर्थों में देखा जाए तो आज इंटरनेट हम सभी के लिए जीने की वजह बन चुका है। इंटरनेट ने आज हमारी बहुत सी मुश्किलों को आसान कर दिया है जिसकी वजह से हमें हर काम बहुत आसान लगता है।

* इंटरनेट का अर्थ

इंटरनेट अनगिनत कांप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दसूरे से संबंध स्थापित करने का जाल है।

* इंटरनेट का महत्त्व

(i) इंटरनेट मनुष्य को विज्ञान द्वारा दिया गया एक सर्वश्रेष्ठ उपहार है। इंटरनेट अनंत संभावनाओं का साधन है। इंटरनेट के माध्यम से हम कोई भी सूचना, चित्र, वीडियो आदि दुनिया के किसी भी कोने से किसी भी कोने तक पल भर में भेज सकते हैं। इंटरनेट के माध्यम से हम ई-मेल भेज सकते हैं और प्राप्त भी कर सकते हैं।

(ii) यह संदेश भेजने का और प्राप्त करने का सबसे सरल और सस्ता साधन है। इंटरनेट के माध्यम से हम दुनिया के किसी भी कोने में बैठे हुए अपने दोस्त अथवा संबंधियों से बात कर सकते हैं।

(iii) इंटरनेट के माध्यम से हम अपने विचारों और वस्तुओं का पूरी दुनिया में प्रचार कर सकते हैं। यह विज्ञापन का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम है।

(iv) इंटरनेट के माध्यम से हम व्यापार भी कर सकते हैं और अपनी वस्तुओं और सेवाओं का क्रय-विक्रय भी कर सकते हैं। इसका सबसे बड़ा साधन वेबसाईट है।

(v) इंटरनेट के माध्यम से हम नौकरी अथवा रोज़गार पाने के लिए अपना बायोडाटा भी इंटरनेट पर डाल सकते हैं।

(vi) वास्तव में इंटरनेट एक सार्वजनिक सुविधा है और कोई भी इसका उपयोग कर सकता है। आज मानव की सफलता के पीछे इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है।

(vii) ये शिक्षा, यात्रा, और व्यापार में बहुत उपयोगी है। इसके द्वारा ऑनलाइन पब्लिक लाइब्रेरी, टेक्स्टबुक, तथा संबद्ध विषयों तक पहुँच आसान हुई है।

* इंटरनेट के लाभ

(i) इंटरनेट की सहायता से हम किसी भी प्रकार की जानकारी और किसी भी सवाल का हल कुछ ही पलों में प्राप्त कर सकते हैं।

(ii) इंटरनेट के माध्यम से दुनिया के किसी भी कोने में बैठे किसी भी व्यक्ति से बिना शुल्क के घंटों तक बातें कर सकते हैं।

(iii) इंटरनेट एक वर्ल्ड वाइड वेब है, जिसकी सहायता से हम दुनिया के किसी भी कोने में अपनी मेल या जरूरी दस्तावेजों को पलक झपकते ही भेज सकते हैं और प्राप्त कर सकते हैं।

(iv) इंटरनेट मनोरंजन का एक बहुत अच्छा माध्यम है। इंटरनेट के माध्यम से संगीत, गेम्स, फिल्म आदि को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के डाऊनलोड कर सकते हैं और अपनी बोरियत को दूर कर सकते हैं।

(v) इंटरनेट की सहायता से बिजली, पानी और टेलीफोन के बिल का भुगतान घर पर बैठे बिना किसी परेशानी के और बिना लंबी लाईनों में खड़े हुए किया जा सकता है। इंटरनेट से हमें घर बैठे रेलवे टिकेट बुकिंग, होटल रिसर्वेशन, ऑनलाइन शौपिंग, ऑनलाइन पढाई, ऑनलाइन बैंकिंग, नौकरी, खोज आदि सुविधाएँ मिल जाती हैं।

(vi) सोशल नेवर्किंग साइट्स के माध्यम से हम नए-नए दोस्त बना सकते हैं जिससे हमें बहुत कुछ नया सीखने को मिलता है।

(vii) सोशल नेवर्किंग साइट्स के माध्यम से हम किसी भी खबर को एक ही पल में एक ही शेयर से बहुत सारे लोगों तक पहुंचा सकते हैं।

(viii) जो लोग किसी समस्या की वजह से रेगुलर क्लास लगाकर नहीं पढ़ सकते उनके लिए इंटरनेट क्रांतिकारी बदलाव लाया है। आज के समय में ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से कोई भी व्यक्ति घर पर ही पढकर परीक्षा दे सकता है।

(ix) जो लोग पार्ट टाइम जॉब करके पैसा कमाना चाहते हैं उनके लिए भी इंटरनेट एक वरदान के समान है। आज के समय में
बहुत सारी ऑनलाइन जॉब्स उपलब्ध हैं जिससे घर बैठे ही पैसा कमाया जा सकता है।

(x) इंटरनेट हमारी पढाई में भी बहुत मदद करता है। आज के समय में बाजार में किताबें बहुत ही महंगी आती हैं और प्रत्येक व्यक्ति उन्हें खरीद नहीं सकता है। आप उन्हें इंटरनेट की सहायता से पढ़ सकते हैं और डाऊनलोड भी कर सकते हैं।

* इंटरनेट की हानियाँ

(i) इंटरनेट पर सुविधा की वजह से व्यक्तिगत जानकारी की चोरी बढ़ गई है, जैसे- क्रेडिट कार्ड नंबर, बैंक कार्ड नंबर आदि।

(ii) आज के समय में इंटरनेट का प्रयोग जासूसों के द्वारा देश की सुरक्षा व्यवस्था को भेदने के लिए किया जाने लगा है जो कि सुरक्षा दृष्टि से खतरनाक है। आज के समय में गोपनीय दस्तावेजों की चोरी भी होने लगी है।

(iii) गोपनीय दस्तावेजों की चोरी के लिए स्पामिंग का इस्तेमाल किया जाता है। यह एक अवांछनीय ई-मेल होती है जिसके माध्यम से गोपनीय दस्तावेजों की चोरी की जाती है।

(iv) इंटरनेट के चलन की वजह से कुछ असामाजिक तत्व दूसरों के कंप्यूटर की कार्य प्रणाली को नुकसान पहुँचाने के लिए वायरस भी भेजते है।

(v) जो व्यक्ति एक बार इंटरनेट का प्रयोग कर लेता है, उसे इसकी आदत हो जाती है और फिर उसका एक दिन भी इंटरनेट के बिना गुजारना मुश्किल हो जाता है।

(vi) इंटरनेट की वजह से सोशल साइट्स का चलन बढ़ गया है। अब लोग परिवार में बैठकर बातें करने की जगह पर अकेले रहना पसंद करते हैं। क्योंकि सोशल साइट्स पर ही उनकी एक अलग दुनिया बन गई है जिससे परिवार बिखरने लगे हैं।

(vii) इंटरनेट के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण शारीरिक और मानसिक दुष्प्रभाव भी होने लगते है इसलिए हमेशा इंटरनेट को जरूरत के समय ही इस्तेमाल करना चाहिए।

(viii) इंटरनेट का अत्यधिक इस्तेमाल करने से बच्चों में चिड़चिड़ापन होने लग जाता है क्योंकि इंटरनेट पर क हिंसक गेम, वीडियो इत्यादि सामग्री उपलब्ध है जोकि चिड़चिड़ापन को बढ़ावा देती है।

* उपसंहार

इंटरनेट आज की दुनिया में हर किसी के जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इंटरनेट जानकारियों का समूह है जो दुनिया के सभी कंप्यूटरों से जानकारी प्राप्त करके हमें सर्च इंजन और अन्य वेबसाइटों की सहायता से सूचनाएँ प्रदान करता है। इंटरनेट के कारण दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को इससे लाभ पहुंचा है, लेकिन आज भी हमारे देश के कई ऐसे स्थान हैं जहाँ पर इंटरनेट पहुँच नहीं पाया है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति तक इंटरनेट पहुँचना चाहिए। इंटरनेट का उपयोग मात्र मनोरंजन के लिए करना सही नहीं है क्योंकि इंटरनेट से हम कई प्रकार के ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं और विश्व को एक नए स्तर पर ले जा सकते हैं।

****

पत्रलेखन

1.कोई कारण बताते हुए अपने प्रधान अध्यापक के नाम दो दिन की छुट्टी माँगते हुए पत्र लिखिए ।

प्रेषक
दीपक
दसवीं कक्षा
अ.मो.दे.आ.शाला, गदग

दिनांक : 30–06–2021

सेवा में
प्रधान अध्यापक
अ.मो.दे.आ.शाला, गदग

महोदय जी,

विषय :– दो दिन की छुट्टी माँगते हुए ।

उपर्युक्त विषय के अनुसार मै दीपक आपके विद्यालय में दसवीं कक्षा में पढ़ रहा हूँ। तबीयत ठीक न रहने के कारण मै दो दिन विद्यालय नहीं आ सकता। इस कारण आप मुझे दो दिन की छुट्टी देने की कृपा करें।

धन्यवाद सहित

आपका छात्र
दीपक

2.भाई की शादी में भाग लेने के कारण बताते हुए अपने प्रधान अध्यापक के नाम चार दिन की छुट्टी माँगते हुए पत्र लिखिए ।

प्रेषक

दिनांक 03–09–2021

कविता

दसवीं कक्षा

अ.मो.दे.नि.शाला, गदग.

सेवा में

प्रधान अध्यापक

अ.मो.दे.शाला, गदग.

महोदय जी,

विषय :– चार दिन की छुट्टी माँगने के संबंध में

उपर्युक्त विषय के अनुसार मै कविता आपके विद्यालय में दसवीं कक्षा में पढ रही हूँ। घर में भाई की शादी है और मै भी उसमें शामिल होना चाहती हूँ । इसलिए आप मुझे चार दिन की छुट्टी देने की क्रुपा करें।

धन्यवाद के सहित

आपकी छात्रा

कविता

3.विद्यालय की ओर से आयोजित प्रवास जाने के लिए 2000 रु माँगते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए ।

दिनांक : 31–10–2021

पूज्य पिताजी को सादर प्रणाम

आपके आशिर्वाद से मै यहाँ सकुशल हूँ। आशा करता हूँ की आप सभी कुशल होंगे। यहाँ मेरी पढाई अच्छी तरह से चल रही है। परीक्षा की द्रुष्टी से मै अभी से तयारियाँ शुरु कर चुका हूँ।

पत्र लिखने का कारण है कि स्कूल के ओर से शैक्षणिक प्रवास जा रहे हैं। अध्ययन की सुविधा के लिए वह आवश्यक भी ह इसलिए मै भी अपने साथियों के साथ अध्यापक जी के मार्गदर्शन पर जाना चाहता हूँ। प्रवास शुल्क 2000 रुपए है। इसलिए आप मुझे 2000 रु भेजिए। प्रवास से आने के बाद सारी घटनाएँ अगले पत्र में लिखुंगा।

माँ को प्रणाम और घर के सभी को मेरा प्यार।

आपका प्रिय पुत्र

शरण

सेवा में,

श्री. बसवराज क.

सीताराम नगर

कलबुर्गी

जि – कलबुर्गी

****

=======धन्यवाद==========

अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय